उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी....

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-7 अंक -51)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 30 जनवरी,2023

▶31 जनवरी तक होगा नवयोदय विद्यालय में प्रवेश

▶हनुमान जी जैसा समर्पण करेंगे तो आपका जीवन ही बदल जायेगा

▶एक वेश्या को देखकर हैरान रह गए थे स्वामी विवेकानंद

न्यूज संक्षिप्त

बजट 2023 में टीडीएस ढांचे को युक्तिसंगत बना सकती है सरकार

नयी दिल्ली। सरकार आगामी आम बजट में टैक्सपेयर्स से अनुपालन के बोझ को कम करने के लिए अधिक सुसंगत स्रोत पर कर कटौती रूपरेखा बनाने के अलावा मानक कटौती जैसे अतिरिक्त लाभ देने के लिए एक पुनर्गठित नई रियायती कर व्यवस्था ला सकती है। ईवाई ने रविवार को यह जानकारी दी। ईवाई की बजट विशलिस्ट के अनुसार, सरकार को पर्सनल इनकम टैक्स के मामले में 20 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले निम्न और मध्यम आय वाले टैक्सपेयर्स को कुछ राहत देनी चाहिए। इसके मुताबिक, एक फरवरी को संसद में पेश होने वाले बजट में 'हरित' प्रोत्साहन- मसलन ग्रीन बॉन्ड से ब्याज की कर छूट और पूंजीगत लाभ दरों एवं होल्डिंग अवधि को युक्तिसंगत बनाया जा सकता है।

ईडी ने 24 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की, छत्तीसगढ़ में चार गिरफ्तार

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चीन से आयातित वस्तुओं पर सीमा शुल्क की चोरी करने वाले आंध्र प्रदेश के एक व्यापारी की 24 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी आदेश जारी होने के बाद आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में स्थित कुछ आवासीय परिसरों और भवानी डायमंड टूल्स के मालिक एम हरि बाबू की अन्य अचल संपत्तियों को फ्रीज कर दिया गया है। कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 24.13 करोड़ रुपये है। ईडी ने एक बयान में दावा किया कि बाबू ने आरा ज़्लैक और आरा ज़्लेड (भवानी डायमंड टूल्स के नाम पर आयातित) जैसे सामानों के खिलाफ सीमा शुल्क का कम भुगतान करने के इरादे से चीन के विदेशी आपूर्तिकर्ताओं के प्रतिनिधियों के साथ सहयोग किया और माल के कम मूल्य के साथ चालान का दूसरा सेट तैयार किया और आयात के समय सीमा शुल्क के भुगतान में गड़बड़ी की। वहीं दूसरी ओर, ईडी ने छत्तीसगढ़ के अवैध कोयला लेवी घोटाले में पीएमएलए के तहत 4 और आरोपितों दीपेश टोक, संदीप कुमार नायक, शिव शंकर नाग और राजेश चौधरी को गिरफ्तार किया है। रायपुर की विशेष अदालत ने इन चारों व्यक्तियों को 30 जनवरी तक तीन दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया है।

परिवहन विभाग ने बीमा का लाभ बताया

कानपुर। उज़र प्रदेश शासन के निर्देशानुसार सुरक्षित एवं सुगम यातायात तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए 5 जनवरी से 4 फरवरी तक सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है जिसके अंतर्गत फजलगंज में वाहनों के बीमा के संदर्भ में जानकारी देने एवम वाहन बीमा के बारीख पहलुओं के संबंध में जागरूक करने हेतु *सड़क सुरक्षा में मोटर वाहन बीमा* विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के दौरान एआरटीओ अज़्बुज ने बस, ऑटो, टैक्सी व प्राइवेट वाहन प्रयोगकर्ताओं को बीमा के लाभ बताए गए और वाहन के बीमा की अनिवार्यता को समझाया गया। कार्यशाला में संजय सिंह भदौरिया प्रबंधक, दी न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा बीमा की अनिवार्यता के संबंध में व्याख्यान दिया गया। कार्यशाला में बस, ऑटो, ई रिक्शा यूनियन के पदाधिकारी, वाहन चालक और परिवहन विभाग के अधिकारीगण सहित लगभग 200 लोगों ने प्रतिभाग किया।

वर्ष 2023 का मोदी का पहला मन की बात कार्यक्रम

लोकतंत्र हमारी संस्कृति और रगो में है

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2023 का पहले मन की बात कार्यक्रम को संबोधित किया है। अपने मासिक मन की बात कार्यक्रम के दौरान उन्होंने न्यू इंडिया का जिक्र किया है। उन्होंने देश के विकास के लिए अपने विचारों को भी जनता के साथ साझा किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम के दौरान देश की जनता को न्यू इंडिया के बार में बताया। उन्होंने देश के विकास के लिए किए जा रहे विकासों के संबंध में भी बात की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गणतंत्र दिवस समारोह का जिक्र करते हुए कहा कि समारोह के अनेक पहलुओं की काफी प्रशंसा हो रही है। जैसलमेर से पुल्कित ने मुझे

लिखा है कि 26 जनवरी की परेड के दौरान कर्तव्य पथ का निर्माण करने वाले श्रमिकों को देखकर बहुत अच्छा लगा।

उन्होंने जनजातिय समुदाय के लिए काम करने वाले और पद्म पुरस्कार पाने वालो का जिक्र करते हुए कहा कि जनजातीय समुदायों से जुड़ी चीजों के संरक्षण और उन पर रिसर्च के प्रयास भी होते हैं। टोटो, हो, कुई, कुवी और मांडा जैसी आदिवासी भाषाओं पर काम करने वाली कई महान हस्तियों को पद्म पुरस्कार मिल चुके हैं। सिद्दी, जारवा और ओंगे जनजाति के साथ काम करने वाले लोगों को भी इस बार पुरस्कृत किया गया है।

पद्म पुरस्कार विजेताओं की एक बड़ी संख्या आदिवासी समुदायों और आदिवासी समाज से जुड़े लोगों से आती है। आदिवासी जीवन शहर के जीवन से अलग है, इसकी अपनी चुनौतियाँ भी हैं। इन सबके बावजूद आदिवासी समाज अपनी परंपराओं को बचाने के लिए हमेशा उत्सुक रहता है।

अन्य पद्म पुरस्कार विजेता मोहम्मद जाज के बारे में भी उन्होंने जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि इस बार पद्म पुरस्कार पाने वालों में वे लोग हैं जिन्हें संतूर, बम्हुम, द्वीतारा जैसे हमारे पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन फैलाने में महारत हासिल है। चारों तरफ गुलाम मोहम्मद जाज, मोआ सु-पोंग, री-सिंहबोर कुर्का-लॉन्ग, मुनि-वेंकटप्पा और मंगल कांति राय की चर्चा हो रही है।

लोकतंत्र पर सभी को गर्व है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बताया और कहा कि हम भारतीयों को इस बात का गर्व भी है कि हमारा देश 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' भी है। लोकतंत्र हमारी रगों में है, हमारी संस्कृति में है। सदियों से यह हमारे काम का अभिन्न हिस्सा रहा है।

श्रीनगर के लाल चौक पर तिरंगा फहराकर राहुल गांधी नेहरू जी के बाद दूसरे कांग्रेसी नेता

श्रीनगर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' के तहत रविवार को ऐतिहासिक लाल चौक पर राष्ट्रीय तिरंगा फहराया। गांधी की यात्रा का सोमवार को श्रीनगर स्थित कांग्रेस कार्यालय श्रीनगर में एक सार्वजनिक रैली के साथ समापन होने की संभावना है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, पार्टी के वरिष्ठ नेता जय राम रमेश, जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के अध्यक्ष विकार रसूल और जम्मू-कश्मीर मामलों की प्रभारी रजनी पटेल के साथ गांधी ने लाल चौक पर अभूतपूर्व सुरक्षा के बीच घंटाघर के पास तिरंगा फहराया। गांधी के राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ राष्ट्रगान की धुन भी बजाई गई।

कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था के बीच 135 दिनों तक चलने वाली गांधी की भारत यात्रा का अंतिम चरण आज सुबह श्रीनगर के पांथा चौक इलाके से शुरू हुआ।भारत जोड़ो यात्रा सात सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई और सोमवार को श्रीनगर में कांग्रेस मुख्यालय में एक समारोह के साथ समाप्त होगी। इस यात्रा में आज कई क्षेत्रीय दलों के नेताओं के शामिल होने की संभावना है। गांधी सोनवार चौक के छावनी क्षेत्र में विश्राम करने के बाद लाल चौक पर तिरंगा ध्वज फहराया। इससे बाद वह दिन में डल झील के किनारे चेश्माशाही रोड की ओर बढ़ेंगे।

दिन की समाप्ति शाम को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा श्रीनगर शहर और डल झील के भ्रमण के साथ श्रीनगर में हिल लॉक पर स्थित होटल ताज विवांता में रात्रिभोज के साथ होगी। श्रीनगर की यातायात पुलिस ने एक ट्रैफिक एडवाइजरी जारी करके लोगों से भारत जोड़ो यात्रा के मद्देनजर आज श्रीनगर में यात्रा के दौरान कुछ निश्चित मार्गों से बचने के लिए कहा। पांथा चौक से डलगेट की ओर जाने वाले सभी ट्रैफिक को स्थगित कर दिया गया है।

मोटर चालकों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए एनएचडब्ल्यू-नौगाम-नत्रीपोरा-नौगाम-सनतनगर-हैदरपोरा बाईपास का उपयोग करने के लिए कहा गया है। यात्रा को सुरक्षित मार्ग देने के लिए कोन्हाखान, डलगेट, होटल ललित और निशात से नेहरूपार्क की ओर जाने वाली सड़क और ब्रेन निशात से बुलेवार्ड-गुपकर रोड की ओर जाने वाले मार्ग को भी बंद कर दिया गया है। पुलिस की ओर से जारी आदेश में आम जनता और पर्यटकों को असुविधा से बचने के लिए और श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

महंगाई, रोजगार, चीन सीमा विवाद, आर्थिक मुद्दों पर सरकार को घेरेगा विपक्ष

नयी दिल्ली। संसद के 31 जनवरी से शुरू हो रहे बजट सत्र में सरकार की नजर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव और वित्त वर्ष 2023-24 के आम बजट आदि पर सुचारू रूप से चर्चा कराने पर रहेगी लेकिन महंगाई, रोजगार, चीन के साथ सीमा विवाद, अर्थव्यवस्था, सेंसरशिप सहित अन्य मुद्दों पर विपक्ष के हमलावर रुख को देखते हुए बजट सत्र के हंगामेदार होने की पूरी संभावना व्यक्त की जा रही है। ऐसे में सरकार ने बजट सत्र से पहले विभिन्न विषयों पर आम राय बनाने के लिये 30 जनवरी को राजनीतिक दलों के सदन के नेताओं की सर्वदलीय बैठक बुलायी है।

सूत्रों ने बताया कि यह बैठक संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा संसदीय ग्रंथालय भवन में 30 जनवरी को बुलाई गयी है।'' कांग्रेस चीन के मुद्दे पर चर्चा चाहती है तो वहीं तृणमूल कांग्रेस, वामदलों, आरएसपी सहित कई विपक्षी दलों ने संसद सत्र के दौरान महंगाई, बेरोजगारी, अर्थव्यवस्था से जुड़े मुद्दों, केंद्र-राज्य संबंध आदि पर सरकार को घेरने का इरादा जताया है। तृणमूल कांग्रेस ने सत्र के दौरान केंद्र राज्य संबंध, बीबीसी के विवादास्पद वृतचित्र की पृष्ठभूमि में सेंसरशिप का मुद्दा उठाने पर जोर दिया है।

इस बारे में पूछे जाने पर संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि बजट सत्र के पहले हिस्से में राष्ट्रपति का अभिभाषण और उनके अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होगी। आम बजट पेश किया जायेगा। यह काफी महत्वपूर्ण सत्र है, हम सभी दलों का सहयोग चाहते हैं। विपक्ष द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों के संबंध में उन्होंने कहा कि विपक्ष के मुद्दों पर कार्य मंत्रणा समिति में चर्चा होती है और नियमों के अनुसार उन्हें लिया जाता है। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा।

इस दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगी। 31 जनवरी को ही सरकार आर्थिक सर्वेक्षण पेश करेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी, 2023 को वित्त वर्ष 2023-24 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। बजट सत्र का पहला चरण 13 फरवरी तक चलेगा और दूसरा चरण 13 मार्च से शुरू होकर छह अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र के दौरान 27 बैठक होंगी। पहले ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति का संयुक्त अभिभाषण नए संसद भवन में होगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हालांकि सभी कयासों पर विराम लगाते हुए हाल ही में ट्वीट कर जानकारी दी है कि नए संसद भवन का कार्य अभी जारी है। उन्होंने कहा कि ऐसे में राष्ट्रपति का अभिभाषण पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में ही होगा। संसद के बजट सत्र के पहले चरण में विधेयकों पर चर्चा और पारित किये जाने की संभावना कम है। हालांकि सत्र के दूसरे चरण में कई महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जा सकते हैं। लोकसभा और राज्यसभा के बुलेटिन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 17वीं लोकसभा के दसवें सत्र के अंत में नौ सरकारी विधेयक लंबित थे जबकि राज्य सभा में दो सौ अठावनवें सत्र (2022) के अंत में 26 विधेयक लंबित थे।

पंजाब एंड सिंध बैंक का 500 करोड़ की वसूली का लक्ष्य

नयी दिल्ली। पंजाब एंड सिंध बैंक के प्रबंध निदेशक स्वरूप कुमार साहा ने कहा है कि बैंक के चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कर्ज के 500 करोड़ रुपये की वसूली करने की उम्मीद है क्योंकि गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) खातों की कई समाधान प्रक्रियाएं अंतिम चरण में हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक की चालू वित्त वर्ष में तीन तिमाहियों में कुल वसूली 1,178 करोड़ रुपये रही है।

यूपी में शराब पीना होगा महंगा, योगी आदित्यनाथ सरकार ने लिया बड़ा फैसला

उत्तर प्रदेश में शराब पीना महंगा होने जा रहा है. यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार के नए फैसले की वजह से शराब की कीमतों में इजाफा होगा. दरअसल, यूपी सरकार ने नई आबकारी नीति 2023-24 को मंजूरी दे दी है और आबकारी लाइसेंस की फीस को बढ़ा दिया है. यानी अप्रैल 2023 से उत्तर प्रदेश में शराब पीने के लिए ज्यादा पैसे चुकाने होंगे.

सरकार के नए फैसले में आबकारी लाइसेंस की फीस में 10 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है. इससे देसी शराब और बीयर की कीमतें बढ़ जाएंगी. 28 जनवरी 2023 को हुई यूपी कैबिनेट की बैठक में सरकार ने ये फैसला लिया है. जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश सरकार ने इस वर्ष शराब के माध्यम से 45 हजार करोड़ रुपये का राजस्व जुटाने का टारगेट फिक्स किया है.

गोदाम और वेयरहाउस के लिए भी चुकाने होंगे ज्यादा पैसे

सरकार की तरफ से लिए फैसले में शराब, बीयर, भांग की सभी दुकानों के लाइसेंस को रिन्यू करने को कहा है, जिसके लिए अब मालिकों को ज्यादा पैसे चुकाने होंगे. यही नहीं, शराब के गोदाम, मास्टर वेयरहाउस के लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन फीस में भी बढ़ोतरी की गई है.मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कैबिनेट मीटिंग में नई आबकारी नीति पर चर्चा हुई जिसके बाद नई आबकारी नीति को मंजूरी दी गई. इस नई नीति के मुताबिक अप्रैल के महीने से लाइसेंस की फीस के लिए 10 फीसदी ज्यादा पैसा चुकाना होगा. वहीं, मॉडल शॉप पर शराब परोसने के लिए 1 लाख रुपये सालाना ज्यादा देना होगा. यूपी में पिछले वर्ष ही शराब की कीमतों में बढ़ोतरी हुई थी. उस दौरान एक्सरसाइज ड्यूटी लगाने के कारण कीमतों में इजाफा हुआ था.

भिखारिन पर शक हुआ तो तलाशी ली गई, लग्जरी कार..बंगला और करोड़ों की मालकिन निकली

कई बार ऐसा होता है जब हम किसी शहर में होते हैं तो देखते हैं कि चौराहों पर भिखारी मिल जाते हैं. हम उनको देखकर पैसे दे देते हैं या कुछ और मदद कर देते हैं. लेकिन कभी-कभी जब भिखारियों की सच्चाई सामने आती है तो लोगों के होश उड़ जाते हैं, क्योंकि वे इतने अमीर होते हैं कि आप सोच भी नहीं सकते हैं. एक ऐसा ही मामला सामने आया है जहां एक भिखारिन महिला करोड़पति निकली.

दरअसल, यह घटना संयुक्त अरब अमीरात की है. खलीज टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक यहां के अबुधाबी में एक महिला रोजाना भीख मांगती रहती थी. वह कभी इस चौराहे पर बैठती तो कभी उस चौराहे पर बैठती थी. इतना ही नहीं वह शहर की कई मस्जिदों के सामने भी बैठकर भीख मांगती थी. इसी बीच एक शख्स को उस महिला पर शक हुआ क्योंकि उसने महिला को एक लग्जरी कार में बैठते हुए देख लिया था. शख्स ने इस बारे में पुलिस को सूचना दे दी.

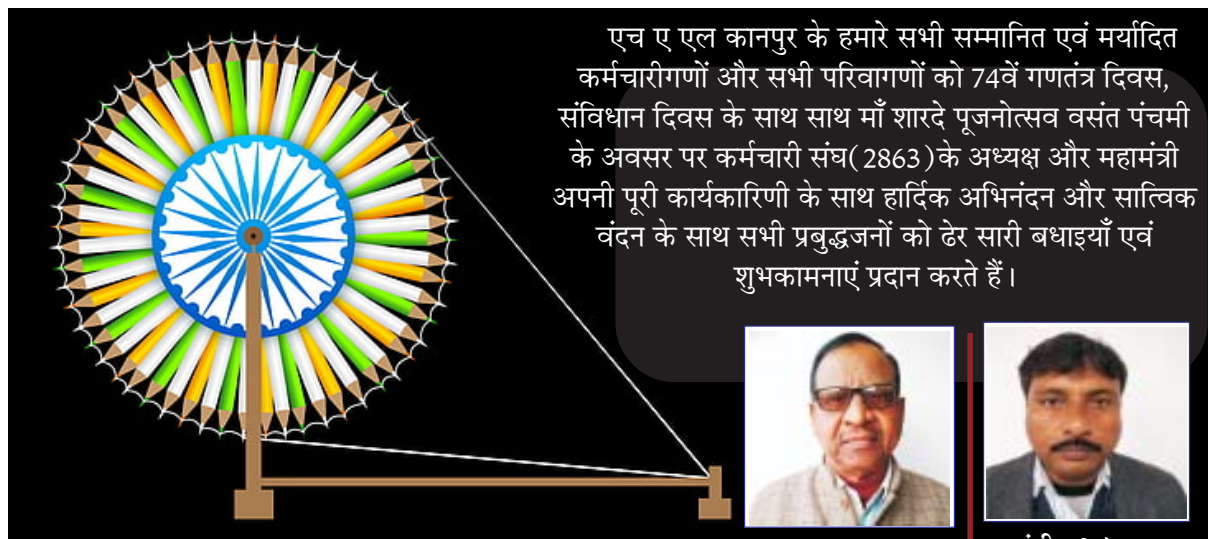

संपादकीय

वीरों का गणतंत्र

आज हम गणतंत्र दिवस ऐसी बदलावकारी बयार के बीच मना रहे हैं जब राष्ट्र दुनिया के समृद्ध देशों के समूह जी-20 का नेतृत्व कर रहा है। जो भारत के बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय कद का ही परिचायक है। देश की अर्थव्यवस्था कोरोना के दंश से मुक्त हो पुरानी लय में लौटने की तैयारी में है। निस्संदेह, देश के सामने बेरोजगारी और महंगाई जैसी चुनौतियां हैं। यह जानते हुए कि महामारी व करीब एक साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध से उपजी वैश्विक परिस्थितियों के चलते ऐसे हालात पूरी दुनिया में हैं। लेकिन अमृत महोत्सव से अमृतकाल की यात्रा के बीच भारतीय गणतंत्र के तमाम यक्ष प्रश्न मुंह बाए खड़े हैं। देश में लगातार बढ़ती आर्थिक विषमता और अमीर-गरीब के बीच निरंतर चौड़ी होती खाई के बीच कह सकते हैं कि संविधान निर्माताओं की आकांक्षा के अनुरूप देश शक्ल नहीं ले पाया है। हम अपने विविधता के समाज, जो हमारे लोकतंत्र की खूबसूरती भी है, में विश्वास बहाली के मामले में चूक रहे हैं। हर गणतंत्र दिवस हमें याद भी दिलाता है कि यह पर्व महज रस्म अदायगी नहीं है। भले ही राजग सरकार ने प्रतीकों के विमर्श में राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्यपथ किया हो, लेकिन इस बदलाव के गहरे निहितार्थ भी हैं। यह हमें आत्ममंथन का मौका देता कि मौलिक अधिकारों के आग्रह के साथ हमारे कुछ मौलिक कर्तव्य भी हैं। किसी राष्ट्र की ताकत नेता नहीं बल्कि कर्तव्यनिष्ठ व सचेत नागरिक होते हैं। भले ही देश की युवा पीढ़ी ने गुलामी का दौर नहीं देखा, लेकिन राष्ट्रीय आंदोलन के इतिहास में दर्ज स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान व आजादी की हवा में सांस लेने की ललक हमें अहसास कराती है कि आजादी व अपने संविधान के क्या मायने होते हैं। निस्संदेह, भारतीय संविधान की गिनती दुनिया के सबसे बड़े संविधानों में होती है, लेकिन यह अवसर हमें आत्ममंथन का मौका देता है कि 15 अगस्त, 1947 को मिली राजनीतिक आजादी के बाद क्या हम आर्थिक आजादी के लक्ष्य पा सके? समाज के अंतिम व्यक्ति को भय-भूख से मुक्ति दिला सके? मानवाधिकारों की पवित्रता को कायम रख सके? क्या राजनीतिक विद्रूपताओं के दंश से मुक्ति के लिये जिम्मेदार नागरिक का दायित्व निभा सके? एक नागरिक के मूलभूत दायित्वों का निर्वहन कर सके?वहीं दूसरी ओर देश में पिछले दिनों गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति के लिये राजग सरकार ने जो पहल की, उसने हर नागरिक को गौरवबोध से भर दिया। पिछले दिनों सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती मनाते हुए कृतज्ञ राष्ट्र ने अंडमान द्वीप समूह के 21 द्वीपों का नामकरण देश की अखंडता व संप्रभुता के लिये सर्वोच्च बलिदान करने वाले परमवीरों के नाम पर किया। निस्संदेह,यह इन वीरों को कृतज्ञ राष्ट्र की सच्ची श्रद्धांजलि है, जिनके बलिदान से आज हमारी सीमाएं अक्षुण्ण हैं। वहीं स्वतंत्रता का उद्घोष करने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्मृति में बनने वाले मॉडल का भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनावरण किया। यह तथ्य भाव-विभोर करने वाला है कि जिस कालापानी को स्वतंत्रता सेनानियों को क्रूरतम सजा देने के लिये उपयोग किया जाता था।

आर्थिक असमानता तक आज़ादी अधूरी

हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसा संविधान रचा था जिसमें हर तरह की सामाजिक सुरक्षा की बात थी पर हमारी सरकारों ने उसमें इतने सारे संशोधन कर उसकी मूल भावना को ही जगह-जगह से बाधित कर दिया है। पिछले 73 सालों की सरकारों ने अपनी सुविधा और वोट बैंक का ख्याल कर इसका मनचाहा इस्तेमाल किया है। जबकि संविधान की नजर में हर देशवासी समान है- भले वह सत्ता पर बैठा राजनेता हो, नौकरशाह हो अथवा पूंजीपति, पर मजा देखिए कि आज सबसे कमजोर स्थिति उस व्यक्ति की है।

राजनीति भरोसे से चलती है और लोकप्रियता पाखंड से। मगर लोकतंत्र चलता है निष्ठा, विश्वास, नैतिक मूल्यों और मनुष्यता के प्रति ईमानदारी के बूते। समता, सौहार्द और देशप्रेम ऐसे मूल्य हैं जिनसे कोई भी लोकतंत्र मजबूत बनता है। हमारा लोकतंत्र पिछले सात दशकों में इतनी ऊंच-नीच झेल चुका है कि हर बार लगता है कि अब लोकतंत्र खतरे में है पर लोकतंत्र पूरी मजबूती के साथ खड़ा रहता है और इसकी वजह है हमारे अपने देश की बहुरंगी एवं बहुलतावादी संस्कृति। कोई एक संस्कृति या समुदाय यहां अपना एकाधिकार या अधिनायकत्व नहीं चला सकता। यही बहुलता इसकी ताकत है और यही इसके विवाद की जड़। मगर यह नहीं होती तो भारत वह देश नहीं होता जो तमाम झंझावातों के बावजूद अपने लोकतंत्र को पूरी शिद्दत के साथ जिंदा रखता। एक इतना बड़ा मुल्क जो आबादी के लिहाज से और अपनी मज़बूती से भी आज दुनिया में नंबर वन के क़रीब है, वह अगर अपने लोकतंत्र को यथावत रखता है तो किसी चमत्कार से कम नहीं। आज जबकि बीसवीं सदी में आजाद हुए सारे मुल्क एक-एक कर अपने लोकतंत्र को ध्वस्त करते गए, ऐसे में भारत में लोकतंत्र का बने रहना विशिष्ट-सा लगता है। इसीलिए अपनी बहुलतावादी संस्कृति को बनाए रखना और उसमें और रंग भरना आज की जरूरत है। हर साल गणतंत्र दिवस पर हम यह शपथ लेते हैं और इसे यथावत? रखने का प्रदर्शन भी करते हैं पर लोकप्रिय बने रहने की हमारे राजनेताओं की ललक इस शपथ को कहीं न कहीं तोड़ती रहती है।हमारे देश को आजादी भले 15 अगस्त, 1947 को मिल गई थी मगर भारत को एक संप्रभु राष्ट्र का दर्जा 26 जनवरी, 1950 को मिला जब हमारी संविधान सभा के 366 सदस्यों ने संविधान को पारित किया। इसके पहले हमें ब्रिटिश सरकार ने इंडिया इंडिपेंडेंस एक्ट के तहत देश की बागडोर सौंपी थी। यह एक्ट यूनाइटेड किंगडम में जार्ज छठे के साम्राज्य वाली पार्लियामेंट ने अपने सारे उपनिवेशों को आजादी देते वक्त बनाया था। यानी 26 जनवरी, 1950 के पहले तक हमारे देश में लगभग वही कानून अमल में थे जो 1935 में ब्रिटिश संसद ने संशोधित औपनिवेशिक कानून पास किए थे। हालांकि आजादी मिलने के तत्काल बाद 28 अगस्त, 1947 को ही डॉ. भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में संविधान निर्मात्री समिति का गठन कर दिया गया था। और इस समिति ने उसी वर्ष चार नवंबर को एक ड्राफ्ट कांस्टीट्यूट असेंबली (धारा सभा) के पास भेज भी दिया। धारा सभा ने कुल 166 अधिवेशन किए और खूब बहस-मुबाहिसे हुए। दो वर्ष 11 महीने और 18 दिन बाद अंततः एक संप्रभु भारत राष्ट्र का संविधान धारा सभा के 308 सदस्यों ने दस्तखत कर सरकार के पास 24 जनवरी, 1950 को भेज दिया। इसकी दो प्रतियां थीं एक हिंदी में और दूसरी अंग्रेजी में। दो दिन बाद यह जस का तस 26 जनवरी को सरकार ने मान लिया।

हम पिछले 73 साल से अनवरत यह दिन मना रहे हैं पर यह सत्य है कि अपने संविधान की मूल भावना पर पूरी तरह अमल हम अभी तक नहीं कर पाए हैं। संविधान हर व्यक्ति को रोजी-रोटी व कपड़ा का भरोसा देता है, संविधान हर व्यक्ति को उसकी मर्यादा को बनाए रखने तथा उसे अपनी बात कहने की पूर्ण आजादी प्रदान करता है। संविधान हर देशवासी को बिना किसी लैंगिक, जातीय, सामुदायिक व सांप्रदायिक भेदभाव के गुजर-बसर करने का पूरा अधिकार देता है। संविधान गारंटी देता है कि भारत में हर नागरिक समान है और उसे भय-भूख के चलते प्रताड़ित नहीं किया जाएगा। देश में हर व्यक्ति को न्याय व सम्मान मिलेगा। लेकिन अभी बहुत सारे प्रयास बाक़ी हैं। सत्य तो यह है कि संविधान के भरोसे के बावजूद देश में हर आदमी को निर्भय होकर जीने की गारंटी नहीं मिली है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसा संविधान रचा था जिसमें हर तरह की सामाजिक सुरक्षा की बात थी पर हमारी सरकारों ने उसमें इतने सारे संशोधन कर उसकी मूल भावना को ही जगह-जगह से बाधित कर दिया है। पिछले 73 सालों की सरकारों ने अपनी सुविधा और वोट बैंक का ख्याल कर इसका मनचाहा इस्तेमाल किया है। जबकि संविधान की नजर में हर देशवासी समान है- भले वह सत्ता पर बैठा राजनेता हो, नौकरशाह हो अथवा पूंजीपति, पर मजा देखिए कि आज सबसे कमजोर स्थिति उस व्यक्ति की है जो संविधान को ही अपना रक्षक मानता रहा है।अगर हमने संविधान की भावना के अनुरूप अपने देशवासियों की मूल जरूरतें भी पूरी नहीं कीं तो उसकी जवाबदेही भी तय करनी होगी। राष्ट्रपति भले ही देश के कार्यपालक अधिकारी न हों पर संविधान के अनुरूप वे हमारे इस राष्ट्र की तीनों संवैधानिक इकाइयों के प्रमुख हैं। विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका उनके अधीन रहकर काम करती हैं इसलिए उन्हें उन सब गतिविधियों पर नजर रखनी होगी जो संविधान की मूल भावना के विरुद्ध जा रही हों। एक सक्षम राष्ट्र में राष्ट्राध्यक्ष को तय करना होता है कि संविधान की एक-एक धारा पर यथावत? अमल करने की आजादी देशवासियों को मिले। इसके साथ ही विधायिका व कार्यपालिका को भी तय करना होगा कि वे हर देशवासी के दुख को दूर कर सकें। उन्हें निर्भय रहकर जीने की आजादी प्रदान करें। जिस दिन इस देश के हर एक आदमी की आंख का आंसू दूर हो जाएगा उसी दिन सही मायनों में हम गणतंत्र की अपनी अवधारणा पर खरे उतरेंगे।गणतंत्र दिवस को याद करना एक रस्मी आयोजन नहीं है बल्कि इसके बहाने सरकार पर भी दबाव बनता है कि कैसे हर एक आदमी को आजादी मिले। संविधान-सम्मत आजादी का मतलब है हर गरीब के आंसू पोंछना। उसके सहज जीवन-यापन के लिए सरकारों का पूरी तरह चाक-चौबंद रहना। सरकारें देशवासियों के कल्याण के लिए बनती हैं न कि इसलिए कि वे शासकों के शाहाना ठाठबाट का खर्च उठाएं। मगर देखा जाए तो पिछले सात दशक से आज तक हर गरीब के आंसू पोंछना तो दूर, सरकारें देश में हर आदमी को पीने का पानी तक नहीं मुहैया करा पाई हैं। हर गांव को न तो पर्याप्त बिजली मिली है न हर घर को चूल्हा और न ही हर घर में पानी या शौचालय। हालांकि मौजूदा सरकार ने हर घर में शौचालय की ऐसी मुहिम चलाई कि इस मामले में 90 प्रतिशत सफलता अवश्य मिल गई है। आज भी हर गांव में स्कूल नहीं हैं। दरअसल सरकारें गरीब आदमी की बजाय पूंजीपतियों के हाथ में खेलती हैं इसलिए गरीबों का हक मारकर उनका पैसा अमीरों, दलालों, सत्तासीन वर्गों के पास चला जाता है। जब तक इस पर अंकुश नहीं लगाया जायेगा तब तक यह आजादी अधूरी ही समझी जाएगी।आजादी का मतलब अपनी जिम्मेदारियां समझते हुए अपने गणतंत्र की मर्यादा सुरक्षित बनाए रखना होता है। लेकिन यह न समझते हुए हमारे मुल्क में आजादी का दुरुपयोग ज्यादा होता है। हमारे संविधान निर्माताओं ने तय किया गया था कि हर भारतवासी के मौलिक अधिकारों की रक्षा हेतु सरकार काम करेगी।

भारत के पड़ोसी देश विश्वास के लायक नही, सतर्क रहें सरकार..!

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

नए गठबंधन की दोनों प्रमुख पार्टियों के बीच रोटेशन पॉलिसी के आधार पर प्रधानमंत्री बनने पर सहमति बनी है। बातचीत के बाद पहले प्रचंड को प्रधानमंत्री बनाया गया है। इसके बाद केपी शर्मा ओली नेपाल के प्रधानमंत्री बनेंगे ! नेपाल के नए प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड का भारत के साथ हमेशा थोड़ा खट्टा रिश्ता रहा है। इससे पहले भी प्रचंड दो बार नेपाल की सियासी कमान संभाल चुके हैं. उस दौरान उनका चीन से प्रेम किसी से नहीं छुपा था।

समय - समय पर भारत के पड़ोसी देश भारत को दर्द देते आए है । भारत जितना इन देशों के समक्ष नरम रहता है ये देश उतना ही सर चढ़कर कोहराम मचाते है । चीन , पाकिस्तान नेपाल बांग्लादेश और श्रीलंका ऐसे ही देश है जिनकी सहायता भारत गाहे बगाहे करता रहा है पर इन्होंने अवसर आने पर भारत के पीठ पर छुरा घोपने का कार्य किया है । माओवादी नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड नेपाल के नए प्रधानमंत्री हुए । प्रचंड को नेपाल के 275 सांसदों में से 165 का समर्थन हासिल किया । नेपाल में सरकार बनाने के लिए प्रचंड की पार्टी सिपिएन एमसी ने पहले शेर बहादुर देउबा की नेपाली कांग्रेस से गठबंधन तोड़ा और उसके बाद पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली की पार्टी सिपियन यूएमएल से गठबंधन कर लिया । नए गठबंधन की दोनों प्रमुख पार्टियों के बीच रोटेशन पॉलिसी के आधार पर प्रधानमंत्री बनने पर सहमति बनी है । बातचीत के बाद पहले प्रचंड को प्रधानमंत्री बनाया गया है । इसके बाद केपी शर्मा ओली नेपाल के प्रधानमंत्री बनेंगे ! नेपाल के नए प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड का भारत के साथ हमेशा थोड़ा खट्टा रिश्ता रहा है । इससे पहले भी प्रचंड दो बार नेपाल की सियासी कमान संभाल चुके हैं. उस दौरान उनका चीन से प्रेम किसी से नहीं छुपा था । इसके अलावा पिछले कार्यकाल के दौरान प्रचंड ने भारत को लेकर कई ऐसे बयान भी दिए, जो चुभने वाले थे ।जब साल 2009 में प्रचंड के हाथों से सत्ता चली गई थी तो उसके पीछे भी उन्होंने भारत के तत्कालीन यूपीए सरकार का हाथ बताया था ! दरअसल, नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड के भारत के साथ लंबे समय से संबंध रहे हैं । एक दौर साल 1996 से लेकर 2006 तक वो भी था, जब नेपाल में सरकार और माओवादियों के बीच गृह युद्ध छिड़ा हुआ था और ऐसे समय में प्रचंड समेत कई माओवादी नेता भारत में रहे थे और तत्कालीन भारत की सरकार ने उनको संरक्षण दिया था ! नई दिल्ली में समझौते के बाद पहली बार सत्ता की सीढ़ी तक पहुंचे प्रचंड अब भारत के लिए अलग बयानबाजी करते दिखेंगे । नेपाल में जब माओवादियों के खिलाफ विद्रोह बढ़ गया तो भारत की ओर से प्रचंड समेत नेपाल के माओवादी नेताओं से शांति समझौते पर बात की गई. नवंबर साल 2006 में नई दिल्ली में माओवादियों की सात पार्टियों ने 12 सूत्री समझौते पर हस्ताक्षर किए । समझौता होने के बाद नेपाल में 12 सूत्री समझौते के आधार पर ही आम चुनाव का ऐलान किया गया । इस चुनाव में माओवादी नेताओं को जनता से भरपूर समर्थन मिला, जिसके बाद प्रचंड ने पहली बार नेपाल की सत्ता की कमान संभाल ली । साल 2008 से 2009 तक प्रचंड नेपाल के प्रधानमंत्री रहे । प्रचंड को मिली पहली सत्ता के पीछे भारत का अहम योगदान रहा, उसके बावजूद अपने पहले कार्यकाल में प्रचंड ने कुछ ऐसी चीजें कीं, जो भारत के गले से नीचे नहीं उतरीं । अब जब प्रचंड प्रधानमंत्री बनते ही भारत की जगह चीन पहुंच गए । दरअसल, नेपाल और भारत मित्र देश हैं । दोनों के बीच रोटी-बेटी का रिश्ता कहा जाता है. भारत के पांच राज्यों से नेपाल की सीमा जुड़ती है । प्रचंड के सत्ता संभालने से पहले तक नेपाल में जब भी कोई प्रधानमंत्री बनता था तो पहला आधिकारिक दौरा हमेशा भारत का करता था ।लेकिन प्रचंड ने यह परंपरा बदल दी और भारत की जगह चीन दौरे पर जाकर सबको चौंका दिया ।

प्रचंड ने इसके बाद भारत को लेकर कई ऐसे बयान दिए, जिससे दोनों देशों की सरकारों के बीच तनाव पैदा होने लगा. उसी बीच प्रचंड ने इतना तक कह दिया कि अब तक भारत और नेपाल के बीच जो भी समझौते या संधियां हुई हैं, उन्हें खत्म कर देना चाहिए या बदल देना चाहिए. बात और तब बिगड़ गई, जब प्रचंड सरकार ने तत्कालीन नेपाल आर्मी चीफ रुकमंगड़ कटवाल को पद से हटा दिया, जबकि भारत की सरकार इस फैसले से पूरी तरह नाखुश थी ! भारत के सामने कभी अपना सिर नहीं झुकाऊंगा ऐसा बयान कही से भी भारत के हित में नहीं ।भारत के गतिरोध के बीच प्रचंड को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ गया और उनकी जगह अन्य माओवादी नेता माधव 卐नेपाल 卐 ने ले ली । प्रचंड ने अपने हाथों से सत्ता जाने के पीछे भारत की सरकार को जिम्मेदार ठहराया. साथ ही प्रचंड ने उस समय यह भी दावा किया कि माधव नेपाल को प्रधानमंत्री बनाने के पीछे भारत सरकार का हाथ है. इसी बात से भड़के हुए प्रचंड ने उस समय सार्वजनकि तौर पर नेपाल की संप्रभुता का मुद्दा उठाया और कहा कि वे भारत के आगे कभी अपना सिर नहीं झुकाएंगे ! भारत की सरकार से नाराज प्रचंड के संबंध चीन के साथ मजबूत होते रहे ! अपने पहले कार्यकाल से हटने के बाद प्रचंड ने चीन के कई निजी दौरे किए और चीनी कंपनियों से नेपाल के इंस्फ्रास्टक्चर और एनर्जी प्रोजेक्ट्स में निवेश करने की बात कही । दूसरी ओर, जब माधव नेपाल संसद में नया संविधान लागू कराने में असमर्थ रहे तो प्रचंड ने एक बार फिर भारत से अपने संबंध ठीक करने शुरू कर दिए. साथ ही प्रचंड ने एक बार फिर आम चुनाव कराने की कोशिशें शुरू कर दीं । हालांकि, यह चुनाव प्रचंड के लिए अच्छा साबित नहीं हुआ और उनकी पार्टी को कम सीटों पर ही संतोष करना पड़ा. इस बात पर एक बार फिर प्रचंड भारत सरकार पर भड़क गए और भारत पर ही अपनी हार का ठीकरा फोड़ दिया ! प्रचंड अक्सर अपने सार्वजनिक बयानों में भारत को घेरते हुए नजर आते थे. साल 2015 में नेपाल में जब भूकंप ने तबाही मचाई तो प्रचंड ने चीन से संबंध मजबूत किए. चीन की मदद से ही प्रचंड, केपी शर्मा समेत कई माओवादी नेता एक साथ आ गए. साल 2015 से 16 तक जहां केपी शर्मा ओली नेपाल के प्रधानमंत्री रहे तो साल 2016 से 2017 तक सरकार की कमान प्रचंड के हाथों में आ गई । इन्हीं सालों में नेपाल के कई हिस्सों में भारत का विरोध होने लगा । इसी दौरान राजधानी काठमांडू में एक बार प्रचंड ने भारत को लेकर विवादित बयान भी दिया. प्रचंड ने कहा कि नेपाल अब वो नहीं करेगा, जो भारत कहेगा ! साल 2017 में प्रचंड के हाथों से सत्ता नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर देउबा के हाथों में आ गई. कई सालों से सत्ता से दूर प्रचंड ने पिछले कुछ समय में भारत के साथ एक बार फिर संबंध सुधारने शुरू किए. जुलाई 2022 में प्रचंड ने भारत दौरा किया, जहां उनकी मुलाकात बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से हुई । प्रचंड ने अपनी यात्रा को लेकर कहा कि वे बीजेपी के न्योते पर ही भारत आए हैं ।उल्लेखनीय है कि दिल्ली से लौटते समय प्रचंड ने कहा था कि हमारी कई ऐसे मुद्दों पर बातचीत हुई जो पिछले काफी समय से अनसुलझे हैं । उन्होंने कहा कि इन सभी मुद्दों को सुलझाने की ओर काम किया जाएगा. हालांकि, प्रचंड के आलोचकों ने कहा कि वह अपनी निजी महत्वाकांक्षा को पूरा करने यानी प्रधानमंत्री बनने की चाह में भारत के दौरे पर गए हैं. वह भारत से मदद हासिल करने के लिए पहुंचे हैं । प्रचंड सरकार के सत्ता में आने से भारत पर क्या होगा असर ? यह भी चिंता का विषय है , जानकारी मिली है की नेपाल के एक पत्रकार राजेश मिश्रा ने केपी ओली और पुष्प कमल के बीच गठबंधन के बाद बनी नई सरकार को लेकर बात की. उन्होंने बताया कि प्रचंड सरकार के आने से भारत और नेपाल के संबंधों पर क्या असर पड़ेगा । राजेश ने कहा कि नेपाल कभी अपने आप का झुकाव किसी ओर ज्यादा नहीं रखता है. उन्होंने कहा कि चाहे चीन हो या भारत, दोनों ही नेपाल के मित्र देश हैं । नेपाल में रहे पूर्व राजनयिकों का मानना है की नेपाल के लोगों के भारतीय लोगों के साथ काफी अच्छे संबंध रहे हैं, ऐसे में नेपाल की किसी भी सरकार के होने का कुछ फर्क भारत और नेपाल के रिश्तों पर नहीं पड़ना चाहिए । समझा जाता है की जहां तक नेपाल का संबंध है तो कोई भी देश अपने पड़ोसी से अच्छा व्यवहार और संबंध ही चाहता है, इसलिए कोई भी सरकार रहे, भारत के साथ संबंध ठीक रहना चाहिए क्योंकि यही दोनों राष्ट्रों के हित में है! वैसे नेपाल के नए प्रधान मंत्री कट्टर माओवादी हैं और चीन के राष्ट्रपति और अन्य शीर्ष चीनी कम्युनिस्ट नेताओं से नेपाल के प्रधान मंत्री प्रचंड का काफी गहरा संबंध है !

क्या आने वाला है प्रलय.. आज से इतने दिन बाद रुक जाएगी धरती, फिर उल्टी दिशा में घूमने लगेगी?

जिन्हें बेपर्दा करने के लिए वैज्ञानिक दिन रात मेहनत कर रहे हैं. पृथ्वी को लेकर जारी खोज में बहुत पहले यह पता चला था कि पृथ्वी का केंद्र एक दिन घूमना बंद कर देगा और इसके कुछ ही देर बाद पृथ्वी उल्टी दिशा में घूमने लगेगी. पृथ्वी का केंद्र जब रुकेगा तब क्या होगा? क्या इसकी वजह से प्रलय आएगा? क्या पृथ्वी का केंद्र रुकते ही विनाशकारी भूकंप आएगा? आइये आपको बताते हैं पृथ्वी से जुड़ी इस घटना और इसके प्रभाव के बारे में.

पहले यह जान लेना जरूरी है कि पृथ्वी का केंद्र घूमता रहता है. गर्म और ठोस लोहे के अंदरूनी गोले के घूमने की वजह से ही पृथ्वी पर मैग्नेटिक फील्ड और गुरुत्वाकर्षण है. इस केंद्र के एक ही दिशा में घूमने की वजह से ही पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण है. अब बात करते हैं उस घटना के बारे में जब पृथ्वी का केंद्र चक्कर लगाना बंद कर देगा.

आपको बता दें कि वैज्ञानिकों और भूकंप विज्ञानियों ने अपनी रिसर्च में पाया है कि पृथ्वी के कोर की घुमाव दिशा में बदलाव होने वाला है. ऐसा होने के पहले केंद्र कुछ देर के लिए घूमना बंद करेगा. में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार पृथ्वी के केंद्र के घूमने की वजह से ही ऊपरी सतह को स्थिरता मिलती है. केंद्र के घूमने की दिशा में करीब हर 70 साल बाद बदलाव होता है. लगभग 17 साल के अंदर यह बदलाव होगा और पृथ्वी का केंद्र उल्टी दिशा में घूमने लगेगा.अब इसके प्रभाव के बारे में बात करते हैं. पृथ्वी के केंद्र की घूमने की दिशा में बदलाव आने से धरती न तो फटेगी और न ही कोई प्रलय आएगा. इस घटना के कारण न तो पृथ्वी पर असर पड़ेगी न ही इस ग्रह पर रहे जीवों पर. इसकी खोज साल 1936 में हुई थी. डच भूकंप विज्ञानी इंगे लेहमैन ने इसकी खोज की थी.

वेलकम टू उत्तराखंड' में नज़र आएंगे अभिनेता धर्मेंद्र सिंह

लेखक, निर्माता व निर्देशक महेश प्रकाश की नवीनतम फिल्म 'वेलकम टू उत्तराखंड' में नवोदित अभिनेता धर्मेंद्र सिंह अपने अभिनय का जलवा बिखेरते नज़र आएंगे। इस फिल्म की सम्पूर्ण शूटिंग उत्तराखंड में ही सम्पन्न हुई है। यह फिल्म बहुत जल्द ही सिनेदर्शकों तक पहुँचने वाली है।

डीओपी मनोज सती के कलात्मक सिनेमेटोग्राफी से सजी इस फिल्म के प्रोडक्शन हेड मीनाक्षी गुप्ता, प्रोडक्शन एक्सक्यूटिव दिनेश भुजवाण, लाइन प्रोड्यूसर समीर लायल(सैम), ड्रेस डिजाइनर रेहाना खान, मेकअप मैन धर्मेंद्र त्रिपाठी, पटकथा-संवाद लेखक गुलाम हुसैन रिज़वी व लक्ष्मी यादव और नृत्य निर्देशक अरविंद नेगी हैं।

उत्तराखंड के चर्चित शख्सियत अर्जुन सिंह के विशेष सहयोग के तहत व संरक्षण में बनी इस फिल्म के लिए गीतकार सुमन कुमार मुयाल व शरद भूषण मोंगरा के द्वारा लिखे गीतों को संगीतकार वीरेंद्र नेगी ने संगीतबद्ध किया है एवं सिंगर पवनदीप राजन, अनुराधा निराला, मीना राणा, वीरेंद्र नेगी और परमिंदर रावत ने स्वर दिया है। उत्तराखंड घूमने आई एक विदेशी महिला के त्याग व समर्पण की दास्तान बयां करती इस फिल्म में नवोदित अभिनेता धर्मेंद्र सिंह के अलावा रेहाना खान, शनाया मलिक, अनामिका, सुमन गौड़, चंद्रवीर गायत्री, पदम गोसाई और अशोक नेगी की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

प्रस्तुति-काली दास पाण्डेय

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- सज़्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ज़्लाक स्तर पर ज़्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सज़्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सज़्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नज़्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नज़्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

संदिग्ध परिस्थितियों में लटकता मिला अधेड़ का शव

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, थाना कल्याणपुर क्षेत्र के मकडी खेडा में एक व्यक्ति का शव संदिग्ध अवस्था में उसके की घर पर फांसी के फंदे से झूलते मिला। इस घटना को लेकर जहां मृतक के भाई तथा मां ने मृतक की दोनो पत्नियों पर आरोप लगाया है तो वहीं मृतक की पत्नी ने ससुरालियों पर मार-पीट का आरोप लगाया, जिससे दोनो पत्नियां झगडे के बाद मायके चली गयी थी। फिलहाल घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है उरोक्त घटना

में मृतक के छोटे भाई दिनेश ने बताया कि वह चार भाई है, जिसमें लगभग 42 वर्षीय संतोष निषाद सबसे बडा था और ईरिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। दिनेश की माने तो मृतक की दो पत्नियां है, एक किरण और दूसरी सुनीता जो साथ में ही रहती है। घटना की जानकारी दिनेश ने ही पुलिस को दी, जबकि पुलिस को दी गयी तहरीर में परिजनों ने किसी के उपर कोई आरोप नही लगाया है। दूसरी तरफ समृतक संतोष की पत्नि किरण का कहना है कि कि संतोष की दूसरी पत्नी सुनीता रिश्तेदारी मे गयी हुई थी। रात्रि में संतोष शराब पीकर घर आया और झगडा करने लगा। कि संतोष अक्सर शराब पीकर आता था और झगडा करता था। बताया कि सुनीता का एक बेटा उसके साथ था, लडाई-झगडे के कारण वह और सुनीता का पुत्र रात को ही सुनीता के मायके पुराना कानपुर चली गयी थी। साथ ही मंगलवार की सुबह ज बवह अपने घर पहुंची और कमरे में गयी तो देखा कि संतोश का शव फांसी के फंदे पर झूल रहा था। यह देखकर उसकी चीख निकल गयी, जिससे अन्य परिवार के लोग भी आ गये। वहीं दूसरी पत्नी सुनीता को भी बुला लिया गया। दोनो ही मृतक की पत्नियों ने आरोप लगाया कि ससुरालियों ने उनके साथ मारपीट की है। बताया कि संतोष चार भाई है और सभी अपने अपने हिस्से में रहते है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के सम्बन्ध में परिजनों द्वारा तहरीर दी गयी है।

किसानों को चने की फसल में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन एवं मिट्टी परीक्षण की दी जानकारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के दलहन अनुभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत चना के उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ावा देने के दृष्टिगत चने की फसल में समसामयिक प्रबंधन जैसे खरपतवार, कीट एवं रोग प्रबंधन हेतु दलहन वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार के नेतृत्व में ग्राम सेरुआ, विकासखंड सरवनखेड़ा में चना प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने चने की फसल में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन एवं मिट्टी परीक्षण के बारे में किसानों को विस्तार से जानकारी दी उन्होंने इस अवसर पर गाय आधारित प्राकृतिक खेती के बारे में भी किसानों को अवगत कराया। कृषि वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने पौध प्रजनन द्वारा देशी एवं काबुली चने की नवीनतम

तथा अधिक उत्पादन देने वाली एवं रोग सहनशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी प्रदान की। विश्वविद्यालय के पूर्व वैज्ञानिक डॉ हरीश चंद्र सिंह ने चने की शस्य तकनीकियों के बारे में किसानों को बताया साथ ही उन्होंने प्रक्षेत्र दिवस के उद्देश्यों पर भी चर्चा की इस अवसर पर गांव के प्रगतिशील किसान विनोद सिंह परिहार सहित 50 से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

हर एक व्यक्ति का वोट राष्ट्र निर्माण में बनाता भागीदार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय मतदाता दिवस बुधवार को पूरे शहर में धूमधाम से मनाया गया इस दौरान सभी स्कूल- कालेजों, सरकारी दफ्तरों एवं मतदान केंद्रों पर मतदान की शपथ दिलाई गई। नए मतदाताओं का फूल-माला पहना उत्साहवर्धन किया गया गोविंद नगर स्थित स्टेपिंग स्टोन इंटर कॉलेज में बीएलओ ने लोगों को मतदान की शपथ दिलाई। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय मतदान दिवस केंद्रीय चुनाव आयोग की स्थापना वाले दिन 25 जनवरी 1950 को हर साल मनाया जाता है इसी वजह से साल 2011 से हर साल 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है।मतदान सबसे महत्वपूर्ण अधिकारों में से एक है जो लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति के पास है। हर एक व्यक्ति का वोट राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनाता है। मतदान व चुनाव लोकतंत्र के आधार स्तंभ है और इसे सुचारू रूप से चलाने के लिए मतदाता ही अहम होता है। वोट देने का अधिकार आम जनता को यह नियंत्रित करने में मदद करता है कि कौन शासन करेगा और आप अपने क्षेत्र में किस तरह की विकास और कल्याणकारी योजनाएं चाहते हैं।

चुनावों को समावेशी, सुलभ सहभागी बनाना राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2023 थीम का फोकस है। गोष्ठी के पश्चात मतदाताओं को प्रत्येक निर्वाचन में मतदान करने की शपथ दिलाई गई कि हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे। स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनो में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।शपथ व संगोष्ठी मे भाग लेने वालों में प्रमुख रूप से प्रकाश वीर आर्य, गुड्डी शर्मा, राजेश बाजपेयी, शम्मी भल्ला, मनोज पाल, मनोज कुशवाहा, विनीत ओबेरॉय, नितीन कुमार, सुरेश कुमार आदि रहे।

साफ छवि वालो को वोट देकर विजय बनाएं : बृजेश पाठक

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। कानपुर-उन्नाव मे स्नातक एम एल सी व शिक्षक विधायक का चुनाव 30 जनवरी को आप अपने मत का प्रयोग साफ छवि वाले प्रत्याशी को देकर विजय बनाये।

यह बात उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शिक्षको के सम्मान समारोह मे आयोजित बी एन डी डिग्री कालेज, माल रोड मे कही उन्होंने यह भी कहा कि मतदान के

दिन मतदाता जज का कार्य करता है।निष्पक्ष निर्णय लेना हमारी संस्कृति है।इस बार पहली बार भाजपा ने शिक्षक प्रत्याशी को उतारा है, वह आप शिक्षक की बात मजबूती से सरकार तक पहुंचाने का काम करेगा। मंच का संचालन शैलेन्द्र द्विवेदी ने किया। अवधेश कटियार, अनिल कुमार,संजय कुमार सहित शिक्षको को सम्मानित भी किया गया इसमे प्रमुख रूप से राहुल मिश्रा, दिवाकर मिश्रा,सुरेश अवस्थी,रघुनंदन सिंह भदौरिया,वीना आर्या, अवधेश कटियार, विवेक द्विवेदी आदि लोग मौजूद रहे।

31 जनवरी तक होगा नवयोदय विद्यालय में प्रवेश

नवोदय विघालय में कक्षा 6 से प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू, 29 अप्रैल को होगी प्रवेश परीक्षा

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, नवोदय विघालय में ऑन लाइन नि:शुल्क प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुका है। सरसौल स्थित नवोदय विघालय में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए आगामी 31 जनवरी अंतिम तिथि होगी।

इस सम्बन्ध में जानकारी देते विघालय के प्रधानाचार्य डा0 एमके जैन ने बताया गया कि जो भी अभिभावक अपने बच्चों को कक्षा 6 में प्रवेश दिलाना चाहते है वह 31 जनवरी तक नि:शुल्क ऑनलाइन आवेदन कर सकते है, जिसके लिए प्रवेश आवेदन प्रक्रिया नवोदय विघालय समिति, मुख्यालय नाएडा की वेबसाइट पर की जा सकती है। बताया 31 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किये जायेगे तथा प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 29 अप्रैल को सम्पन्न कराई जायेगी। बताया कि नगर के सरकारी तथा सरकारी मान्यता प्राप्त विघालयों में कक्षा 5 से अध्यनरत हो चुके विघार्थी इस अवेदन प्रक्रिया में शामिल हो सकते है। आवेदन के लिए जन्मतिथि 1 मई 2011 से 30 अप्रैल 2013 के मध्य होनी चाहिए। बताया कि 80 सीटो में एक तिहाई सीटें छात्राओं तथा 75 प्रतिशत सीटें ग्रामीण क्षेत्रों के अभ्यार्थियों के लिए आरक्षित है। फरवरी के दूसरे सप्ताह तक आईआईटी जारी करेगा चयनित अभ्यार्थियों की सूची भारतीय प्रौधोगिकी संस्थान(आईआईटी) में शैक्षिक सत्र 2023-24 के लिए एमबीए पाट्यक्रम3 में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस प्रवेश प्रक्रिया में 31 जनवरी तक विधार्थी ऑनलाइन के माध्यम से अपना आवेदन कर सकते है। आईआइटी प्रशासन के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया पूण होने के उपरान्त फरवरी के दूसरे सप्ताह तक चयनित अभ्यार्थियों की सूची जारी की जा सकती है। बताया गया कि 16 से 19 मार्च तक साक्षात्कार प्रक्रिया आयेजित की जायेगी और इसमें यचनित किये गये अभ्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा।

स्टंटबाजों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी पुलिस

जेसीपी की अपील शिकायत मिलते ही होगी कार्रवाई, हेल्पलाइन जारी

बीपीएस न्यूज -कानपुर। गंगा बैराज में आये दिन स्टंटबाज की धमा चौकड़ी के बाद विभाग ने संटंटबाजों की करतूतों का संज्ञान लिया। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर ने शनिवार को पब्लिक से मदद की अपील करते हुए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। उन्होंने लोगों से कहा कि अगर कोई स्टंटबाजी करते दिखे तो उसका वीडियो बनाकर हेल्पलाइन नंबर के व्हाट्सएप पर भेजें। इससे कि तत्काल कार्रवाई की जा सके।ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी ने अपील करते हुए कहा कि अगर शहर में कोई भी कहीं भी स्टंट करते दिखे तो उसका वीडियो बनाएं। वीडियो में गाड़ी का नंबर और स्टंटबाज का चेहरा जरूर आना चाहिए। इससे कि स्टंटबाजों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जा सके। पुलिस हर वक्त हर जगह मौजूद होना संभव नहीं है। इसके चलते पब्लिक से मदद की अपील की गई है। इसके साथ ही स्टंट प्वाइंट पर थानेदार और ट्रैफिक पुलिस को अलर्ट रहने की चेतावनी दी। उन्होंने दो हेल्पलाइन नंबर 9454400447 और 7002022015 पर व्हाट्सएप या कॉल कर सूचना दे सकते हैं। सूचना देने वाले का नाम और पता के साथ पहचान पूरी तरह से गोपनीय रखी जाएगी।

एक दो दिन में बारिश के आसार, लगातार चलने वाली बर्फीली हवाओं ने दिया गलन का एहसास

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, बीते कुछ दिनों में भीषण सर्दी से जहां लोगों को राहत मिली थी तो उसके बाद पश्चिमि विक्षोभ के बनने से होने वाली बारिश और लगातार चलने वाली बर्फीली हवाओं ने एक बार फिर मौसम का रुख बदल लिया। धुंध के साथ शनिवार की सुबह हुई साथ ही तेज हवायें चलती रही। समय बीतने के साथ ही आसमान पर सूरज चमक उठा और लोगों को राहत पहुंची शनिवार को दिन का तापमान लगभग 22 डिग्री रहा, इससे पहले शुक्रवार की रात को पारा लगभग 20 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। शनिवार को निकली धूप ने भले ही लोगों को गलन से राहत पहुंचाई लेकिन छांव में जाने पर गलन का एहसास लगातार बना रहा। वहीं शाम होने से पहले धूप का असर समाप्त हो गया और एक बार फिर लोग अपने घरों में दुबक गये। मौसम विभाग की माने तो आज रविवार और कल 30 जनवरी सोमवार को हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इससे पहले सर्दी के कारण दिल के मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि होती रही। शुक्रवार को भी 50 से अधिक दिल के मरीज हृदय रोग संस्थान पहुंचे तथा हार्ट अटैक व ब्रेन स्ट्रोक के कारण तीन लोगों की मृत्यु हो गयी। बताया जाता है कि उत्तरी पश्चिमी हवाओं के चलने के कारण मौसम में परिवर्तन हुआ और सर्दी बढ गयी है।

गोल्ड हॉलमार्किंग में बदलाव की तैयारी: पुष्पेंद्र जयसवाल

बीपीएस न्यूज

कानपुर। अखिल भारतीय स्वर्णकार विकास परिषद अध्यक्ष पुष्पेंद्र जायसवाल ने बताया कि पुराने सोने के आभूषणों में जो चार लोगो लगते थे उनको हटाकर सिर्फ छ: डिजिट का एच यू आई डी कोड ही लगाने की तैयारी सरकार द्वारा की जा रही है जो की 4 जून 2021 से लागू किया गया था जिसमें बीआईएस मार्क कैरेट ज्वेलर्स का नाम हाल मार्किंग सेंटर का लोगो होता है पूरे हिंदुस्तान में 256 ज़िलों में 950 हॉलमार्किंग सेंटर थे जिनकी संख्या बढ़कर अब 1300 हो गई है आने वाले दिनों में 40 ज़िले और जोड़े जाएंगे सरकार का उद्देश फ़र्ज़ी हॉलमार्किंग रोकना है अखिल भारतीय स्वर्णकार विकास परिषद के अध्यक्ष पुष्पेंद्र जयसवाल ने बताया कि सरकार को सर्राफ़ा व्यवसायियों के पास जो पुराना स्टॉक है उसको पहले बेचाने का समय दिया जाए क्योंकि पुराना हॉलमार्किंग हटाने के लिए 53,रु 20 पैसे की लागत आती है बार बार ज़ेवर को हाथ लगाने से ज्वेलरी गंदी हो जाती है और वेस्टेज का नुक़सान भी होता है सर्राफ़ा व्यवसायियों ने मान्य वित् मंत्री से अपील की गई है कि आपकी बजट में कस्टम ड्यूटी भी घटायी जानी चाहिए सर्राफ़ा व्यवसायियों को पुराने हॉलमार्किंग वाले अपना स्टॉक क्लियर करने के लिए मार्च 2024 तक का समय दिया जाना चाहिए उसके बाद आभूषणों में एचआईडी लगाने का प्रावधान किया जाए।

परिवहन विभाग ने कार्यशाला का आयोजन कर बीमा का लाभ बताया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार सुरक्षित एवं सुगम यातायात तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए 5 जनवरी से 4 फरवरी तक सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है जिसके अंतर्गत फजलगंज में वाहनों के बीमा के संदर्भ में जानकारी देने एवम वाहन बीमा के बारीख पहलुओं के संबंध में जागरूक करने हेतु *सड़क सुरक्षा में मोटर वाहन बीमा* विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला के दौरान एआरटीओ अम्बुज ने बस, ऑटो, टैक्सी व प्राइवेट वाहन प्रयोगकर्ताओ को बीमा के लाभ बताए गए और वाहन के बीमा की अनिवार्यता को समझाया गया। कार्यशाला में संजय सिंह भदौरिया प्रबंधक, दी न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा बीमा की अनिवार्यता के संबंध में व्याख्यान दिया गया। कार्यशाला में बस, ऑटो, ई रिक्शा यूनियन के पदाधिकारी, वाहन चालक और परिवहन विभाग के अधिकारीगण सहित लगभग 200 लोगो ने प्रतिभाग किया।

नवनियुक्त सहायक उप नियंत्रक का हुआ भव्य स्वागत

बीपीएस न्यूज -कानपुर। नागरिक सुरक्षा कोर नवाबगंज प्रखंड कानपुर के द्वारा प्रखंड की बैठक आयोजित की गई जिसमें नवनियुक्त सहायक उप नियंत्रक गुलाम नबी भव्य स्वागत किया गया इसमें प्रखंड की गतिविधियों के विषय में जानकारी दी गई बैठक में डिविजनल वार्डन धनंजय नारायण सिंह डिप्टी डिविजनल वार्डन बृजेंद्र अग्निहोत्री स्टाफ अधिकारी दद्दन मिश्रा घटना नियंत्रण अधिकारी अनूप मेहरोत्रा पोस्ट वार्डन विभव सिंह संतोष कुमार गुप्ता राजकुमार अग्रवाल जयप्रकाश साहू धर्मेंद्र कुमार द्विवेदी नंद लाल यादव राजेंद्र त्रिवेदी सावन कुमार संतोष कुमार तिवारी तथा सभी पोस्ट के डिप्टी पोस्ट वार्डन सेक्टर वार्डन उपस्थित रहे।

चिड़ियाघर में चोरी,ढाई सौ किलो की तिजोरी चुराकर निकाला कैश

कानपुर। नवाबगंज थानाक्षेत्र अंतर्गत चिड़ियाघर के कैश रूम से चोरों ने ढाई क्विंटल की तिजोरी पार कर छह लाख रुपये की नकदी पार करने के मामले में पुलिस को आशंका है कि भारी भरकम तिजोरी को उठाने के लिए चार से पांच लोग रहे होंगे। किस समय वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने शक के आधार पर चार कर्मचारियों से पूछताछ शुरू की है। चिड़ियाघर के कैशियर की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर नौ कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। एक कर्मचारी लापता है रेंजर दिलीप गुप्ता ने पुलिस को बताया कि चिड़ियाघर में आने वाले दर्शकों से होने वाली आय को परिसर में ही स्थित प्रशासनिक भवन में बने कैश रूम के अंदर रखी तिजोरी में रखा जाता है। करीब एक सप्ताह में 5.95 लाख की आय हुई थी, जिसे तिजोरी में रखवा दिया गया था। बाहर से ताला बंद था। शुक्रवार सुबह जब कैश रूम में पहुंचे तो अंदर से भारी भरकम तिजोरी गायब मिली। उन्होंने कैश इंचार्ज समेत चार कर्मचारियों पर शक जताया है, जिनके पास तिजोरी की चाबियां रहती हैं। शाम को सूचना पर पहुंची नवाबगंज थाना पुलिस ने प्रशासनिक भवन में लगे सीसीटीवी को खंगाला तो मालूम हुआ कि वारदात को अंजाम देने से पहले चोरों ने सीसीटीवी भी बंद कर दिए थे। पुलिस ने संदिग्धों से पूछताछ शुरू की है। एसीपी अकमल खान ने शनिवार को बताया कि संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही वारदात का खुलासा किया जाएगा।

घाटमपुर में नकली नोट के मामले से मचा हड़कंप

पुलिस एक दर्जन नंबरो की खंगाल रही कॉल हिस्ट्री, दस से ज्यादा लोग गैंग में शामिल, आईबी की जांच जारी

प्रगति प्रभात

घाटमपुर। पतारा में बीते एक अक्टूबर को पुलिस ने नकली नोट मार्केट में चलाने वाले एक गिरोह को पकड़ा था, पुलिस ने बीते दिनों नाबालिग समेत तीन युवकों को पूछताछ कर जेल भेज दिया था, पूछताछ में एक फौजी का नाम सामने आया था, पुलिस को जानकारी मिली है कि फौजी समेत उसके दोस्त एटीएम हैकर है। पुलिस ने फौजी के रिजिमेंट को पत्र लिखा है, वही पकड़े गए युवक के मोबाइल में एक दर्जन नंबर मिले है। पुलिस इन नंबरों की कॉल हिस्ट्री खंगाल रही है। वही गिरोह में दस से अधिक लोग शामिल होने की बात सामने आई है।

– क्या है पूरा मामला

घाटमपुर थाना क्षेत्र के पतारा कस्बा में परचून की दुकान में नकली नोट चलाने आए दो युवकों को पुलिस ने बीते एक अक्टूबर को गिरफ्तार किया था, पकड़े गए युवकों ने अपनी पहचान कानपुर के वरुण विहार बर्रा 8 निवासी विभु यादव के रूप में बताई थी, जिसमे एक युवक नाबालिग था। जिनके पास से एक प्रिंट मशीन समेत 42100 रुपए के नकली नोट, दो पेपर पैकेट, व दो कटर बरामद किए थे, जिन्हे पुलिस ने जांच के लिए देवास लैब भेजा था। पुलिस ने युवकों को जेल भेजने के साथ मामले की जांच शुरू की थी, जांच के दौरान पुलिस को कानपुर देहात के पनियनमऊ निवासी अर्पित सचान का नाम सामने आया था, पुलिस ने बीते दिनों नगर से अर्पित सचान को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उसने गिरोह में एक फौजी समेत अन्य लोगों के नाम पुलिस को बताए है।

– फौजी के साथी है, एटीएम हैकर

घाटमपुर पुलिस ने नकली नोट के गिरोह में फौजी की भूमिका की जांच शुरू की तो पता चला कि फौजी एटीएम हैकर है, जब पुलिस ने गहराई से जांच की तो पता चला फौजी समेत उसके कई दोस्त एटीएम हैकर है। मामले में घाटमपुर एसीपी दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है। जो नाम प्रकाश में आए है, उन्हें विवेचना में शामिल किया जा रहा है।

– गैंग में दस से ज्यादा लोग शामिल, एक दर्जन नम्बरो की पुलिस खंगाल रही कॉल हिस्ट्री

पुलिस की पूछताछ में पकड़े गए आरोपी अर्पित सचान ने बताया था, कि नकली नोट चलाने वाले गिरोह में दस से ज्यादा लोग शामिल है। वही जब पुलिस ने जांच शुरू की तो पुलिस के हाथ एक दर्जन नंबर लगे है। पुलिस ने सर्विलांस टीम की मदद लेकर नंबरों की कॉल हिस्ट्री खंगाल रही है। पुलिस के मुताबिक कॉल हिस्ट्री से कुछ अहम सुराग मिल सकते है। किसके संपर्क में था अर्पित समेत कई बिंदुओं में जांच की जा रही है। मामले में घाटमपुर थानाध्यक्ष रामबाबू ने बताया कि पुलिस गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों की जानकारी जुटा रही है, कार्रवाई की जाएगी।

आईबी कर रही है जांच, पुलिस से ली थी जानकारी

घाटमपुर पुलिस से लखनऊ आईबी एसपी ने नकली नोट मामले में शामिल फौजी से संबंधित जानकारी व रिपोर्ट बीते दिनों तलब की थी, जिसके बाद आईबी ने अपनी जांच शुरू कर दी है। आईबी ने फौजी के नकली नोट छापने वाले गिरोह में शामिल होने व उसके परिजनों के संबंध किस किस के साथ है, कौन कौन फौजी के दोस्त है, कई बिंदुओं पर अपनी जांच शुरू की है। सूत्रों के मुताबिक आईबी की जांच चल रही है, फिलहाल आईबी के हाथ अभी तक कोई भी अहम सुराग नहीं लगा है।

अवर हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन द्वारा आयोजित सर्व जातीय जीवनसाथी परिचय का हुआ आयोजन

बीपीएस न्यूज -कानपुर।अवर हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन के द्वारा आयोजित सर्व जातीय जीवनसाथी परिचय सम्मेलन संरक्षकों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ हुआ 7 कार्यक्रम अपनी भव्यता के साथ नाथूमल साधवानी सरस्वती शिशु मंदिर यशोदा नगर में सभी युवक युवतियों के परिचय के साथ संपन्न हुआ जिसमें पूरे उत्तर प्रदेश से 85 लड़कों ने और 25 लड़कियों अपना रजिस्ट्रेशन कराया। जिसमें दीप्ति शर्मा इस कार्यक्रम की ब्रांड एंबेसडर रहीं उन्होंने कई युवतियों को प्रेरित किया इस नेक कार्य के लिए प्रतिभागियों में- अविवाहित, उम्र दराज, विकलांग,तलाकशुदा, एकाकी जीवन जीने वाले, माता या पिता एवं अन्य युवक एवं युवतियां शामिल हुए। कार्यक्रम की लोकप्रियता को देखते हुए भोजपुरी फिल्म स्टार अमित गुप्ता जिनकी पत्नी का करोना में निधन हो गया वह भी अपनी जीवनसंगिनी के लिए इसमें सम्मिलित हुए एक जोड़े का संबंध भी तय हुआ। अध्यक्ष आदित्य पोद्दार ने बताया पूरे उत्तर प्रदेश में ही नहीं बल्कि भारतवर्ष में भी यह समस्या बनी हुई है। बहुत से लोग चाहते हुए भी किसी मजबूरी के कारण एकाकी जीवन जी रहे हैं उनके सपने को पूरा करने के लिए अवर हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन सामने आया और एक प्लेटफार्म दिया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयुक्त ने किया ध्वजारोहण

जन भागीदारी के बिना नही प्राप्त किये जा सकते बेहतर परिणाम: डा0 राजशेखर

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मण्डलायुक्त डॉ. राजशेखर ने 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मण्डलायुक्त कार्यालय में ध्वजा रोहण किया। उन्होंने इस मौके पर जनपद वासियों को हार्दिक शुभकामनायें देते हुये कहा कि हम सब अपने कार्यो के माध्यम से जनमानस की अपेक्षाओं के अनुरुप कार्य करें। हम लोगों को जो दायित्व सौंपा गया है व संविधान में निहित प्राविधानों के तहत है, उसी के अनुसार हम लोग कार्य करते है और शासकीय कार्यो को भी संपादित करते है। उन्होंने कहा की गणतन्त्र दिवस का जो थीम है वह जन भागीदारी है, इसका उद्देश्य ऐसे सभी कार्य जिसमें आम जनमानस की भागीदारी की आवश्यकता हो तथा बहुत से ऐसे कार्य है जो बिना भागीदारी के सम्पादित नही किये जा सकते या बेहतर परिणाम उसके नही निकलेंगे, इसी उद्देश्य से भारत

सरकार द्वारा यह थीम बनाया गया है। हम सभी लोग भी कोशिस करें की जहॉ पर जन भागीदारी की आवश्यकता हो, उनका सहयोग चाहिये, उनका सुझाव चाहिये और उनका फीडबैक चाहिये। जिसके आधार पर हम योजनाओं में बेहतरी ला सकते है और कार्यो को प्रभावशाली स्वरूप दे सकें, उसी दिशा में पूरे वर्ष हम सभी लोग मिलकर कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत जनपदों में इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जा रहा है जिसमें कानपुर में 70 हजार करोड के निवेश प्राप्त हुये है, आने वाले दिनों मे कानपुर का चौतरफा विकास होगा और लोगों को उसका लाभ मिलेगा। हम सब मिलकर अपने देश व प्रदेश को आगे ले जाने हेतु कटिबद्व होकर कार्य करें। इस मौके पर उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को भारतीय गणतंत्र का संकल्प की शपथ दिलाई गयी जिसमें प्रतिज्ञान कराया गया कि हम भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बन्धुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।इस मौके पर अपर आयुक्त प्रेम प्रकाश उपाध्याय सहित मण्डलायुक्त कार्यालय के समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

डीएम ने झण्डारोहण कर सेंनानियों के परिजनों को किया सम्मानित

बीपीएस न्यूज

जिलाधिकारी विशाख जी. द्वारा 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण किया गया। इसके उपरान्त कलेक्ट्रेट प्रांगण में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए नमन किया। उन्होंने गणतंत्र दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट में उपस्थित स्वतंत्रता संग्राम संनानियों के परिजनों को सम्मानित करते हुए उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (नगर) अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) राजेश कुमार, अपर जिलाधिकारी (भू0/आ0) सतेन्द्र कुमार सहित कलेक्ट्रेट के अन्य अधिकारी/कर्मचारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मकड़ी खेड़ा नवाब गंज में विधायिका ने किया ध्वजारोहण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। 7 74 वें गणतंत्र दिवस की बेला पर मकड़ी खेड़ा नवाबगंज में वरिष्ठ समाजसेवी गिरजा शंकर कश्यप एवं नरेंद्र गोंड़ की अगुवाई में कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायिका नीलिमा कटियार ने ध्वजारोहण किया 7 इसके उपरांत बसंत पंचमी के अवसर पर मां सुरों की रागिनी सरस्वती के तैल चित्र में पुष्पमाल्यार्पण कर कहाँ कि सामाजिक परिवेश में उन्नति के मार्ग पर चलना कठिन पर सुरक्षित बहुत है 7 मौजूदा समय में अमृत महोत्सव देश में धूमधाम से मनाया जा रहा है, जिसके चलते उन्होंने महोत्सव से ओतप्रोत विचार रखे और शांति भाईचारिगी का संदेश दिया 7 इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मत्स्य विभाग अधिकारी एनके अग्रवाल ,विजय मिश्रा , गंगाराम कश्यप शुभम दीक्षित ,अरुण मौर्य ,इंजीनियर सुखलाल कश्यप पूर्व अधिशासी अभियंता जल निगम,मुकेश कश्यप, शिवम कश्यप, विजय निषाद (पार्षद) मुन्ना लाल गौड़ , टेक चन्द्र कश्यप, माधव फाउंडेशन के अध्यक्ष राजेश गौड़ अनेकों सम्मानित व्यक्ति मौजूद रहे विधायिका का स्वागत सम्मान माल्यार्पण कर रूपा देवी कश्यप अंजलि कश्यप गीता कश्यप ने किया।

राष्ट्रीय पर्व पर एनसीसी कैडेट्स एवं अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए में 74वां गणतंत्र दिवस मनाया गया इस अवसर पर कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने मुख्य द्वार पर ध्वजारोहण किया। तथा राष्ट्रगान के पश्चात कुलसचिव एवं उपस्थित विश्वविद्यालय परिसर के सभी सदस्यों व एनसीसी कैडेट्स एवं सुरक्षाकर्मियों ने तिरंगा को सलामी दी। तत्पश्चात कुलसचिव डॉपीके उपाध्याय ने सभी को संबोधित किया।उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विश्व विद्यालय परिवार की ओर से हम उन सभी योद्धाओं को नमन एवं श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। जिनकी वजह से हम इस दिन को मना रहे हैं। कुलसचिव ने कहा कि कृषि शिक्षा, शोध एवं प्रसार कार्यों के क्रियान्वयन हेतु देश में शोध संस्थानो, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ,कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से देश की कृषि व्यवस्था सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मूंग की प्रजाति आजाद मूंग-1, अलसी की अपर्णा, सरसों की आजाद महक, तोरिया की आजाद चेतना तथा जौं की आजाद जौं- 33 प्रजातियों का सीबीआरसी द्वारा नोटिफिकेशन हुआ है। इसके साथ ही एसबीआरसी द्वारा अलसी शेखर-7, सरसों शेखर, गेहूं के 1616, के 17 11 एवं तंबाकू की नाथ प्रजातियों को चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा की गेहूं की के-1317 प्रदेश ही नहीं अपितु देश के अन्य प्रांतों में क्लाइमेट स्मार्ट प्रजाति के रूप में ख्याति प्राप्त है। साथ ही विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा 18 शस्य तकनीकी विकसित की गई हैं।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता यादव ने किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीष कुमार ने बताया कि इस अवसर पर एनसीसी के कैडेट्स को पप्रशस्त्र पत्र देकर सम्मानित किया गया। जबकि है एनसीसी अधिकारी डॉ सर्वेश कुमार एवं डॉक्टर रामसिंह उमराव को भी उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रश्न पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर एवं अन्य संकाय सदस्य तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

संयुक्त विकास आयुक्त कार्यालय में ध्वजारोहण कर ली गयी संविधान की शपथ

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, संयुक्त विकास आयुक्त कार्यालय, रावतपुर में गणतंत्र दिवस के अवसर पर संयुक्त विकास अधिकारी एन0बी0 सविता द्वारा ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान गाया गया तथा इस अवसर पर उपस्थित कार्यालय के अन्य अधिकारियों का कर्मियों द्वारा संविधान की शपथ ली गयी। उपस्थित जनो ने देश व अपने कार्य के प्रति अपने दायित्वों का ईमानरानी से निर्वाहन करने की शपथ ली। इस अवसर पर जेडीसी एन0बी0 सविता, वित्त एवं लेखाधिकारी सिद्धार्थ दीक्षित, कनिष्ठ लिपिक गीता बाजपेई, राजेन्द्र सक्सेना, कृतिका गुप्ता, मनोज कुमार, अरूण कुमार, शान्ति देवी आदि अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

धूमधाम से झंडा फहरा कर गणतंत्र दिवस के संदर्भ के महत्व पर हुई परिचर्चा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नशा मुक्ति केन्द्र एवं हिन्दुस्तान न्यूज़ एक्सप्रेस व बावन अवतार टाइम्स के द्वारा 74 वां गणतन्त्र दिवस बड़े धूमधाम से झण्डा %फहरा कर गणतन्त्र दिवस के सन्दर्भ के महत्व पर परिचर्चा कर मिष्ठान वितरण कर मनाया गया। कार्यक्रम मुख्यअतिथि सरस बाजपेई संरक्षक कानपुर प्रेस क्लब, अमित कश्यप बाथम क्षेत्रीय महामंत्री भाजपा युवा मोर्चा कानपुर बुन्देलखण्ड क्षेत्र, द्वारा मौजूद लोगों को शपथ दिलायी कि हमलोग समाज की सेवा में हमेशा तत्पर रहेंगे। मुख्य वक्ता वरिष्ठ समाजसेवी एवं डा0 दिनेश शुक्ला ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुये कहाँ कि 74 वां गणतन्त्र दिवस आज जो हमलोग मना रहे हैं उसके लिए

हमारे देश को स्वतंत्र करने के लिए बहुत से महापुरूषों ने संघर्ष करते-करते अपनी कुर्बानी दे दी थी। जिसका आज हम गणतन्त्र दिवस का पर्व मना रहे हैं। संपादक अंकुर गुप्ता उप संपादक राजेश कश्यप ने कहाँ कि नयी पीढ़ी को भी देश के गणतन्त्र दिवस के महत्व को समझना होगा। इस दौरान मुख्य अतिथियों द्वारा उपस्थित पत्रकारों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सरस बाजपेई, अमित कश्यप बाथम, राजेश तिवारी, उमेश शुक्ला, जितेंद्र गौतम, राजेन्द्र भगतानी, अमित गुप्ता, रमजान अली, सारांश कनौजिया, संजय सक्सेना, ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, प्रदीप सचान, राजन सविता, विकास मिश्रा, संदीप सिंह, पवन श्रीवास्तव, रामचीज निषाद, मनोज निषाद, आदि मौजूद रहे।

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल बन कर तैयार, शासन के निर्देश का इंतजार

पीजीआई और केजीएमसी के रेट लिस्ट के अनुसार देने होंगे यूजर्स चार्ज,सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के फरवरी या मार्च तक संचालित होने की संभावना

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मरीजो को बेहतर इलाज के लिए अभी एक माह तक और इंतजार करना पड सकता है। शासन द्वारा संचालन की मंजूरी जल्द मिलते ही सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का संचालन शुरू हो जाएगा।

जीएसवीएम मेडिकल कालेज से सम्बंद्ध हैलट अस्पताल परिसर में 200 करोड़ की लागत से बने 240 बेडो के अत्याधुनिक व पूर्ण रूप से वातानुकुलित पीएमएसएसवाई (प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना) का संचालन 25 जनवरी, 2023 को होना था,लेकिन उ0प्र0 सरकार द्वारा इसका संचालन किस तरह से किया जाएगा इसका कोई भी दिशा निर्देश न मिलने के कारण मेडिकल कालेज प्रशासन अस्पताल को संचालित नही कर सका है। जिसके चलते अभी

मरीजो को इस अस्पताल की सुविधा से वंचित रहना पडेगा। हालांकि अस्पताल पूरी तरह से संचालित होने के लिए तैयार खडा है बस इंतार है तो केवल शासन के निर्देश का।

बता दे कि मरीजो को निजी अस्पताल की तरह बेहतर सुविधा और बेहतर इलाज देने के लिए सरकार द्वारा हैलट परिसर में पीएमएसएसवाई बिल्डिंग बनाई गई। लेकिन अभी तक यह सुनिश्चित नही हो पाया है कि पीएमएसएसवाई अस्पताल का संचालन किस प्रकार किया जाएगा। इस बावत सीएमएस डा0 शुभ्रांश शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि पीएमएसएसवाई अस्पताल के संचालन की पूर्व में तिथि 20 जनवरी तय कि गई थी जिसके लिए स्टॉफ की भी पूर्ति कर दी गई,लेकिन कुछ कागजी कार्यवाही के चलते इसकी तिथि 25 जनवरी तक बढ़ा दी गई,लेकिन बाद में इसको आगे बढ़ा दिया गया। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा अभी तक कोई ऐसा शासनादेश नही प्राप्त हुआ कि इसका संचालन किसकी तर्ज पर किया जाएगा। फिलहाल तो केजीएमसी और पीजीआई की रेट लिस्ट पर चर्चा की जा रही है कि इन दोनो अस्पतालो में किस रेट लिस्ट के अनुसार यूजर्स चार्ज लिया जाएगा इस पर विचार विमर्श किया जा रहा है जबकि अस्पताल का संचालन जल्द शुरू करवाने के लिए मुख्य सचिव ने खुद मामले को गंभीरता से लिया है और इस पर मंथन किया जा रहा है।

जांचे चालू करने का बनाया जा रहा है सेटअप

सीएमएस डा0 शुभ्रांश शुक्ला ने बताया कि पीएमएसएसवाई अस्पताल में अभी तक केवल दो मशीने ही आयी है जिसको शुरू करने की कवायद चालू कर दी गई है। जो स्टॉफ पूर्व में नियुक्त किए गए थे , काम शुरू न होने की बजह से उनको हैलट में शिफ्ट कर दिया था,लेकिन अब संचालन के षुरू होने की कवायद फिर से शुरू हो गई है तो सभी स्टॉफ को पुनः वापस भेज दिया गया है।

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल पूरी तरह वातानुकुलित है और अत्याधुनिक उपकरणो से लैस है। इसका संचालन किसके पास होगा और किस तरह से यूजर्स लिया जाएगा यह मामला अभी सरकार के पास लंबित है ,लेकिन फरवरी के अंत तक या मार्च के प्रथम सप्ताह तक शुरू होने की संभावना है।

डा0 शुभ्रांश शुक्ला, सीएमएस, हैलट अस्पताल

सीआईएसएफ ग्राउंड में राष्ट्रगान गाकर तिरंगे को दी गई सलामी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पनकी पावर हाउस नव निर्माण 660 मेगा वाट इकाई के सीआईएसएफ ग्राउंड में 74वां गणतंत्र दिवस बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में सीआईएसएफ इकाई पीटीपीएस के इकाई प्रभारी प्रशांत द्विवेदी (उप-कमाण्डेन्ट) की उपस्थिति में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक रवि प्रकाश सक्सेना के द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा राष्ट्रगान गा कर तिरंगे को सलामी दी गई। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने गणतंत्र तथा संविधान की महत्ता को बताया। ध्वजारोहण के उपरांत पनकी महाप्रबंधक द्वारा परेड निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात परेड कमांडर निरीक्षक सुनील कुमार पान्डेय के नेतृत्व में 7 मजबूत टुकड़ियों के साथ बहुप्रतीक्षित मार्च पास्ट प्रस्तुत किया गया जिसमे सी आई एस एफ जवानों के अतिरिक्त विद्युत परिषद इंटर कालेज तथा प्राइमरी स्कूल के बच्चों ने भी भाग लिया। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया तथा सीआईएसएफ कर्मियों के द्वारा कुशलता एवं दक्षता का प्रदर्शन करते हुए एक उच्च मानक वीआईपी सेक्युरिटी डेमो का प्रदर्शन किया गया।

अध्यापक पुरस्कार चयन हेतु शासनादेश के अनुसार कार्यवाही किए जाने दिए गए निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि जनपद कानपुर नगर में शैक्षिक सत्र में राज्य अध्यापक पुरस्कार एवं मुख्यमन्त्री अध्यापक पुरस्कार के चयन की समय सारणी में संशोधन करते हुए शासन द्वारा नवीन समय सारणी के अनुसार समस्त राजकीय/अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय एवं संस्कृत विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों को राज्य अध्यापक पुरस्कार एवं उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त स्ववित्त पोषित विद्यालयों के शिक्षकों को मुख्यमन्त्री अध्यापक पुरस्कार के चयन किये जाने हेतु शासनादेश के अनुसार कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए हैं, जिसमें निर्धारित अर्हता रखने वाले प्रधानाचार्य/शिक्षकों के 21 जनवरी से 31 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन करने की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने उक्त के क्रम में सूचित किया है कि जनपद कानपुर नगर में कार्यरत अर्ह प्रधानाचार्य एवं अध्यापक द्वारा ऑनलाइन वेबसाइट 31 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। जिन शिक्षकों द्वारा सत्र में पूर्व में आवेदन किया जा चुका है, उन्हें पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

एडीजी जोन ने ध्वजारोहण कर दी सलामी

कानपुर 7 74वें राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर आलोक सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानुपर द्वारा राष्ट्रीयद्ध्वज को फहरा कर सलामी दी गयी तथा उपस्थित समस्त पुलिस अधि0/कर्म0गण को पूरे मनोयोग व ईमानदारी से कार्य करने हेतु प्रति कर मिष्ठान वितरण किया गया। -

एडीजी जोन को गृह मंत्रालय का उत्कृष्ट सेवा पदक किया गया प्रदान।

कानपुर 7 74वें राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर आलोक सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानुपर को उत्कृष्ट सेवा हेतु गृह मंत्रालय का उत्कृष्ट सेवा पदक प्रदान किया गया।

पुलिस आयुक्त ने ध्वजारोहण कर दी सलामी

कानपुर 7 पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर द्वारा 74 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त बीपी जोगदंड ने ध्वजारोहण करके तिरंगे को सलामी दी, इस दौरान सभी को भारतीय संविधान के प्रति कर्तव्य पालन की शपथ दिलाई गई, कार्यक्रम में सभी पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

सरेराह बाइक स्टंट दिखाना युवक को पड़ा भारी

- सैकडों लोगों की भीड के बीच गंगा बैराज पर युवक ने दिखाया अपना बाईक स्टंट
- वीडियों वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने किया युवक को गिरफ्तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर नवाबगंज स्थित गंगा बैराज जहां शहर के लोगों के लिए घूमन-फिरने का एक प्रमुख स्थान बन चुका है तो वहीं यहां पर युवकों की बाईक ड्राइविग लोगों के लिए परेशानी का कारण बन चुकी हैं।

स्थानीय लोगों की माने तो आये दिन यहां युवक ग्रुप में आते है और बाईक स्टंट करते है, जिससे यहां घूमने अपने वाले लोगो विशेष रूप से परिवार के साथ आने वालो को काफी असहजता महसूस होती है।

बतातें चले कि गंगा बैराज कानपुर में एक प्रमुख स्पॉट बन चुका है और शहरवासी समय मिलते ही यहां खुली हवा में सैर-सपाटा के लिए आते है। इसके साथ ही यहां शहर से अपने वाले युवकों की संख्या भी अधिक है और वह अपनी बाईक के साथ जमकर सडक पर ही स्टंट करते है जो खतरनाक तो है ही साथ ही यदि कोई हादसा होजाता है तो इससे जान का भी खतरा है। आये दिन लडकों का ग्रुप यहां स्टंट करते देखा जा सकता है। इसी प्रकार 26 जनवरी को भी यहां एक युवक अपनी बाइक से स्टंट कर रहा था, जिसका विडियों सोश मीडिया में वायरल हो गया। मजे की बात तो यह है कि कुछ ही दूरी पर पुलिस चैकी होने के बाद भी यहां आये दिन युवक ऐसे करतब करते देखे जा सकते है। वीडियों वायरल होने के साथ ही पुलिस हरकत में आये और कार्यक्रवाी करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। नवाबगंज थाना प्रभारी द्वारा बताया गया कि उन्हे सूचना मिली कि गंगा

बैराज पर कुछ युवकों द्वारा मोटरबाईक से स्टंट किया जा रहा था, जिसके बाद पुलिस की कार्यवाई में 20 वर्षीय तारिक पुत्र मुन्ना, बाजपेई नगर, थाना जाजमऊ को गिरफ्तार कर लिया गया है साथ ही आरोपी युवक की बाइ संख्या यूपी-32 एलडी-7645 प-सर को सीज कर युवक के विरूद्ध धारा 151 की कार्यवाही की जा रही है। यह तो वह घटना है जिसपर पुलिस ने कार्यवाही की लेकिन गंगा बैराज पर लगातार इस प्रकार का युवकों द्वारा बाईक स्टंट किया जाता है और कई बार हादसे भी हो चुके है लेकिन प्रशासन द्वारा इस ओर कोई ठोस निर्णय नही लिया गया।

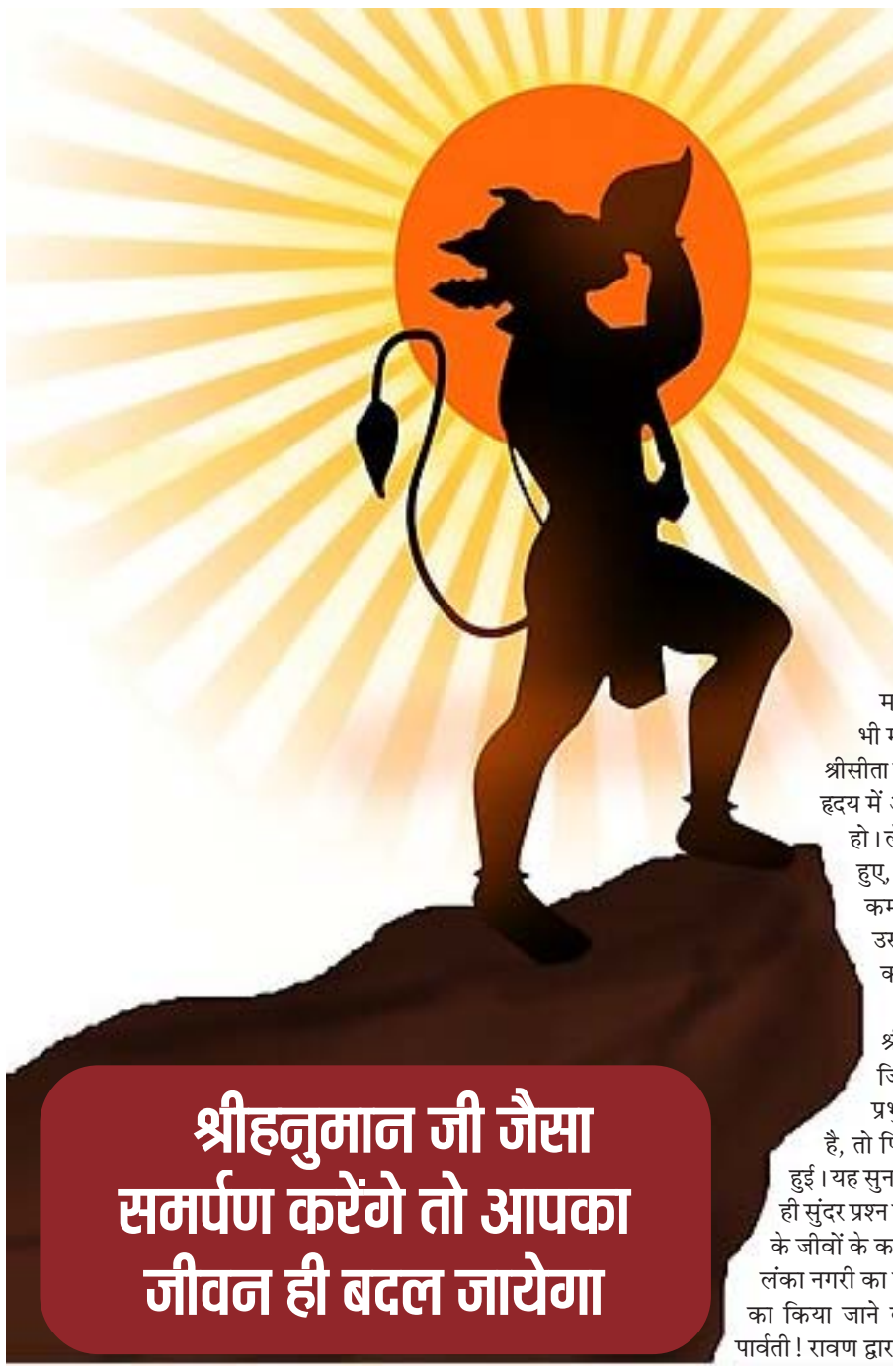

श्रीहनुमान जी जैसा समर्पण करेंगे तो आपका जीवन ही बदल जायेगा

श्रीहनुमान जी ने लंका नगरी में वो प्रचंड घमासान मचाया, कि रावण ने इसकी स्वपन में भी कल्पना नहीं की थी। श्रीहनुमान जी तो फिर हनुमान जी थे, उन्हें भला किसके वश में आना था। क्या पवन भी किसी की मुट्ठी में बँधती है? नहीं न! तो पवनपुत्र श्रीहनुमान जी किसी के आधीन कैसे हो सकते हैं? वे स्वछन्द थे, स्वछन्द हैं और स्वछन्द ही रहेंगे। भगवान शंकर जी भी जब, माता पार्वती जी को यह कथा का रसपान करवा रहे हैं, तो बड़े प्रसन्न भाव से कह रहे हैं, कि हे पार्वती, तुम निश्चित ही यह चिंतन कर रही होगी, कि क्या रावण के जीवन काल का, श्रीसीता जी के अपहरण वाला कर्म ही उत्तरदायी था, कि उसकी लंका नगरी यूँ धू-धू कर जल रही थी? तो इसका उत्तर है, 'नहीं'। श्रीराम जी वास्तविक्ता में रावण के प्रति तो क्राधित थे ही नहीं। कारण कि श्रीराम जी तो जानते ही हैं, कि श्रीसीता जी तो जगत जननी हैं। चराचर जगत की माता होने के साथ-साथ, वे तात्विक दृष्टि से रावण की भी माता ही हुई। हाँ, रावण भले ही बाल व अल्प बुद्धि में श्रीसीता जी का अपहरण करके ले आया हो। और उनके प्रति हृदय में अज्ञानतावश किशोराभाव वाला आकर्षण पाल बैठा हो। लेकिन तब भी रावण की सीमित बुद्धि बल को देखते हुए, उसे क्षमा किया जा सकता है। फिर उसने यह पाप कर्म मेरे व आदिशक्ति के प्रति ही किया है। हमें ही जब उसके प्रति वैर भाव नहीं, तो रावण को दण्डित करने का तो कोई प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता।

माता पार्वती जी भगवान शंकर जी द्वारा उच्चारित श्रीराम कथा को बड़े ध्यान से श्रवण कर रही हैं। जिज्ञासा वश वे भगवान शंकर जी से पूछती हैं, कि हे प्रभु! लंका दहन के पीछे अगर यह मुख्य कारण नहीं है, तो फिर कौन से कारण के चलते, रावण की लंका दहन हुई। यह सुन भगवान शंकर जी कहते हैं, कि हे पार्वती तुमने बड़ा ही सुंदर प्रश्न किया है। इसका उत्तर तुम्हारे माध्यम से समस्त संसार के जीवों के कल्याण का कारण बनेगा। तो सुनो पार्वती! रावण की लंका नगरी का सर्वोच्च मुख्य कारण है, रावण द्वारा संतों महात्मायों का किया जाने वाला निरंतर व असहनीय अपमान था-अर्थात हे पार्वती! रावण द्वारा संतों का अपमान ही लंका दहन का आधार बना। लेकिन आश्चर्य देखो, कि पूरी लंका श्रीहनुमान जी द्वारा प्रचण्ड हुई अग्नि ने जला डाली, लेकिन एक श्रीविभीषण जी का ही घर ऐसा था, जो उन्होंने नहीं जलाया। कारण कि श्रीविभीषण जी तो स्वयं बहुत बड़े संत हैं। और अग्नि को भी पता है, कि किसको जलाना है, और किसको नहीं। इसलिए रावण की अभेद्य लंका का जल जाना, समस्त संसार को यह बताता है, कि आप भले ही इस जगत के तीनों लोकों के भी विजेता क्यों न हों। सारे देवी-देवता आपके समक्ष नत्मस्तक भी भले क्यों न हों। धन, वैभव व ऐश्वर्य की भी कोई कमी न हो। घर ईंट गारे की बजाये, पूर्णत: स्वर्ण का भी क्यों न बना हो। लेकिन अगर आप संतों का अपमान करते हैं, तो निश्चित ही आपकी रक्षा तीनों लोकों के देव, मिलकर भी नहीं कर सकते। विभिन्न कलाओं के ज्ञाता रावण का घर जब संत की अवज्ञा करने से जल उठा। तो मायावी जीव तो महज एक साधारण प्राणी है। उसके घास व लकड़ी के बने मकान, भला अग्नि के प्रकोप से क्योंकर बच सकते हैं? इसलिए जीवन में अगर यह अवसर आये, कि आपको किसी सच्चे साधु के दर्शन सुलभ हों, तो यह अवसर कभी नहीं त्यागना, कि आप उनकी सेवा से वंचित रह जाओ। अगर दुर्भाग्यवश आप उनकी सेवा से वंचित रह भी जायो। तो आप उनके प्रति क्षमा प्रार्थी हो जाना। लेकिन भूले से भी यह महापाप तो स्वप्न में भी न करना, कि आप उनका अपमान करने बैठ जाओ। अगर ऐसा हुआ, तो आपको बताने की आवश्यकता नहीं है, कि रावण की स्वर्ण लंका को जलने में तो फिर भी कुछ समय लगा। लेकिन आप की घास व लकड़ी की बनी झोंपड़ी तो आँख झपकते ही राख हो जायेगी। इसलिए हे पार्वती! श्रीराम जी भी वनों में साधुओं की सेवा व दुष्टों के संहार हेतु ही पधारे हैं। भगवान शंकर जी की शिक्षाओं को माता पार्वती जी अच्छे से गांठ बांधे जा रही हैं। और इधर श्रीहनुमान जी ने लंका नगरी का कोना-कोना दहन कर डाला। भगवान शंकर फिर कहते हैं, कि हे पार्वती! श्रीहनुमान जी की पूँछ को लगी आग, स्वयं उन्हें भी तो जला सकती थी। लेकिन आश्चर्य कि श्रीहुनमान जी उस अग्नि के तपिश प्रभाव से पूर्णत: अछूते रहते हैं। कारण कि जिन प्रभु ने अग्नि को बनाया, श्रीहनुमान जी उन्हीं प्रभु के दूत हैं।

शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं भगवान विश्वकर्मा

विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्योहार है जहां शिल्पकार, कारीगर, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्योहार मनाते हैं। कहा जाता है कि हिंदू भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। इसलिए भगवान विश्वकर्मा को दुनिया का सबसे पहला इंजीनियर और वास्तुकार माना जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों से विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है। दुनिया का निर्माता यानि की दुनिया का निर्माण करने वाला। विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है। जिसमें उन्हें ब्रह्मांड (पृथ्वी और स्वर्ग) के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिव लिंगम की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं। धर्मग्रंथों में विश्वकर्मा को सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी का वंशज माना गया है। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तुदेव थे। जिन्हें शिल्प शास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तुदेव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तु शिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ माना जाता है। विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तु तंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तु विद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है।

पांडवों द्वारा बनाया गया था महाराष्ट्र का यह खास मंदिर

केशवराज मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य की अद्भुत छटा पेश करता है। मंदिर के चारों ओर घने जंगल में, आप वर्ष भर पानी की धारा बहते हुए देख सकते हैं। यहां पर धारा के उपर पुल भी बना है। जब आप इस पुल को पार करते हैं, तो आप लेटराइटिक पत्थर से निर्मित कुछ सीढ़ियां देखते हैं। केशवराज मंदिर सिर्फ आध्यात्मिकक दृष्टिकोण से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि मंदिर के आसपास की प्राकृतिक सुंदरता भी बस देखते ही बनती है। यह मंदिर महाराष्ट्र में स्थित है और दापोली से लगभग 7 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। ऐसी मान्यता है कि यह मंदिर पांडवों द्वारा निर्मित है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस मंदिर की विशेषता के बारे में बता रहे हैं-यह मंदिर भले ही दापोली के पास एक छोटे से गांव में स्थित है, लेकिन फिर भी इसे एक गूढ़ रहस्य के रूप में जाना जाता है। यह छोटा सा मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। लेकिन यहां पर गणपति जी की भी मूर्ति स्थित है। मंदिर का मुख दक्षिण दिशा की ओर है और मंदिर के अंदर का सुखद वातावरण आपको शांति का अनुभव कराता है। मंदिर चारों तरफ से पत्थर के फुटपाथ से घिरा हुआ है और इसे केशवराज देवराय मंदिर के नाम से भी जाना जाता है।

शांति का होता है अहसास

यह मंदिर आपको आध्यात्मिक शांति का अहसास करवाता है। मंदिर परिसर में स्थित गाय के मुंह के आकार के पत्थर से साल भर ठंडा और स्वादिष्ट पानी बहता है। केशवराज मंदिर के क्षेत्र के भीतर आप महसूस करते हैं कि भगवान की असली पहचान एकांत, शांति और प्रकृति के बीच है।

प्राकृतिक सौंदर्य के बीच स्थित है मंदिर

केशवराज मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य की अद्भुत छटा पेश करता है। मंदिर के चारों ओर घने जंगल में, आप वर्ष भर पानी की धारा बहते हुए देख सकते हैं। यहां पर धारा के उपर पुल भी बना है। जब आप इस पुल को पार करते हैं, तो आप लेटराइटिक पत्थर से निर्मित कुछ सीढ़ियां देखते हैं।

पांडवों द्वारा निर्मित है मंदिर

ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर का निर्माण पांडवों द्वारा किया गया था। उन्होंने इसे एक ही रात में बनाया था। वहीं, कुछ लोग यह भी कहते हैं कि मंदिर का निर्माण पेशवा काल के दौरान हुआ था।

भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में शामिल है बैद्यनाथ धाम, रावण से भी रहा है इस मंदिर का संबंध

देश में 12 ज्योतिर्लिंग हैं, जिनमें से बैद्यनाथ धाम भी एक है। देवघर का अर्थ है देवताओं का घर इसलिए इसे एक पवित्र स्थल माना जाता है। श्रावण मास में भगवान शिव की पूजा करने के लिए हजारों भक्त बाबा बैद्यनाथ धाम आते हैं। कहा जाता है कि इस मंदिर का संबंध रावण से रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (मंगलवार) को झारखंड के देवघर पहुंचे हैं। यहां पी एम मोदी ने देवघर एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि बाबा धाम आकर है किसी का मन प्रसन्न हो जाता है। आपको बता दें कि देवघर, झारखंड में स्थित एक लोकप्रिय धार्मिक स्थल है। देश में 12 ज्योतिर्लिंग हैं, जिनमें से बैद्यनाथ धाम भी एक है। देवघर का अर्थ है देवताओं का घर इसलिए इसे एक पवित्र स्थल माना जाता है। श्रावण मास में भगवान शिव की पूजा करने के लिए हजारों भक्त बाबा बैद्यनाथ धाम आते हैं। कहा जाता है कि इस मंदिर का संबंध रावण से रहा है। बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग को रावणेश्वर ज्योतिर्लिंग भी कहा जाता है। इसके अलावा, मान्यता है कि यहां पर माता सती का हृदय गिरा था इसलिए यह 51 शक्तिपीठों में भी शामिल है। इस जगह को हृदयपीठ के नाम से भी जाना जाता है।

बैद्यनाथ धाम की कहानी

रावण एक परम शिवभक्त था। रावण की मनसा थी कि भगवान शिव कैलाश को छोड़कर लंका में निवास करें। इसलिए रावण ने भोलेनाथ को मनाने के लिए कठिन तपस्या करने लगा। इसके बाद वह अपना सिर काटकर शिवलिंग पर चढ़ाने लगा। जैसे ही रावण अपना दसवां सर काटने चला तभी भगवान शिव प्रकट हो गए और उससे एक वरदान मांगने को कहा। रावण ने भगवान शिव से वरदान मांगा कि प्रभु कैलाश छोड़कर लंका चलें। इस पर भगवान भोलेनाथ ने उसकी मनोकामना पूरी करने की बात कहते हुए एक शर्त रखी। भगवान शिव ने रावण के सामने शर्त रखी कि वह कैलाश से लंका के सफर में कहीं भी शिवलिंग को जमीन पर नहीं रखेगा। इस पर रावण राजी हो गया और शिवलिंग को उठाकर चल पड़ा।

भगवान शिव के कैलाश छोड़ने के बाद सुनकर सभी देवता परेशान हो गए। सभी देव गण इस समस्या का समाधान ढूंढने के लिए भगवान विष्णु के पास पहुंचे। सभी देवताओं की विनती सुन कर भगवान विष्णु ने वरुण देव को रावण के पेट में जाने को कहा। इससे देवघर में रावण को लघुशंका लगी। जिसके बाद रामगढ़ वहां रुक गया और बैजू नाम के ग्वाले को शिवलिंग पकड़ने को कहा। यह ग्वाला कोई और नहीं स्वयं भगवान विष्णु थे। श्री हरि ने रावण के लघुशंका के लिए जाते ही शिवलिंग को जमीन पर रख दिया। इस तरह रावण अपनी शर्त हार गया और भोलेनाथ वहीं स्थापित हो गए। बैजू के कारण मंदिर का नाम बैद्यनाथधाम पड़ा। ऐसी मान्यता है कि देवघर में बाबा बैद्यनाथ के दर्शन से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

भगवान पर आरोपों की बरसात क्यों कर रहे थे नारद मुनि

देवऋर्षि नारद जी की मन:स्थिति बड़ी व्याकुल-सी हो गई है। कारण कि राजकुमारी उनकी ओर आती-आती, अचानक से किसी अन्य पंक्ति की ओर मुड़ गईं। यह कुछ ऐसे हुआ था, मानों थाली में लड्डु सजा पड़ा है। जो कि आपको बड़े ही कठिन प्रयास से प्राप्त होने जा रहा है। आप उसे ग्रहण भी करने वाले हैं। लेकिन तभी आपके सामने से वह लड्डु कोई पक्षी उठा कर ले जाता है। तो सोचिए आपकी क्या मन:स्थिति होगी। आप व्याकुल न होंगे, तो और क्या होंगे। मुनि के साथ भी बस यही हो रहा है। मुनि उचक-उचक कर देख रहे हैं। मन तो हो रहा है, कि वे राजकुमारी को ऊँचे स्वर में पुकार कर कहें, कि हे विश्वमोहिनी! यह तुम्हें क्या हो गया है? देखो मैं तो यहाँ बैठा हूँ। अपने स्वामी को छोड़ कर तुम कहाँ भ्रमित हो, किसको ढूंढ़ रही हो। लगता है तुम पर किसी ने अपनी माया का प्रभाव डाल दिया है। तुम चिंता मत करो। मैं समस्त माया जंजाल को काटने का सामर्थ्य रखता हूँ। तुम मेरी और तनिक पलटो तो सही।मुनि को लगा कि राजकुमारी मेरी तरफ अवश्य पलटेगी। पर ऐसा न हुआ। वे तो एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में घूम-घूम कर, पता नहीं किसे ढूंढ़ रही थी। लेकिन मुनि को कहाँ विश्राम था। वे तो बस अपने आसन के चारों ओर अपनी दृष्टि घुमा रहे थे-यह घटनाक्रम चल ही रहा था, कि इतने में श्रीहरि भी मानव देह धारण कर, राजा के रूप में एक आसन पर आन बिराजे। काँच के टुकड़ों में अगर एक मणि लाकर रख दी जाये, तो अपनी चमक से वह स्वत: अपनी श्रेष्ठता बता देगी। ऐसे ही श्रीहरि भी सबके आकर्षण का केन्द्र बन गए। राजकुमारी भी राजहंसिनी की चाल चलते-चलते, भगवान विष्णु जी के समक्ष जा खड़ी हुई। वे श्रीहरि जी के दिव्य तेज में स्वयं को न्योछावर किए जा रही थी। उनके हाथों में पकड़ी जयमाला, स्वयं ही श्रीहरि जी के गले में डलने को व्याकुल हो रही थी। समय भी मानो उस पावन घड़ी का साक्षी बनने की हठ कर रहा था। बस फिर क्या था। जब इतने शगुन एक साथ घट रहे थे, तो अब विलम्ब काहे का। राजकुमारी ने झट से जयमाला श्रीहरि जी के गले में डाल दी। यह देख कर मुनि तो ठगे से रह गए। उन्हें लगा कि मानों गाँठ से मणि छिटक कर, कहीं दूर गिर गई हो। शिवजी के गण तो स्वभाव से ही चंचल थे। उन्हें मुनि की मन:स्थिति से कोई सहानुभूति अथवा सरोकार थोड़ी न था। शिवगणों ने अब वह कहा, जो उनको बहुत पहले कहना चाहिए था। वे बोले, कि बाकी सब तो ठीक है, लेकिन पहले जाकर जल में अपना चेहरा तो देख लो। मुनि को लगा, कि अवश्य ही कुछ तो अशुभ घटा है। मुनि ने जैसे ही अपना मुख जल दर्पण में देखा, तो स्वयं को वानर पाया। यह देख वे क्रोध से भर उठे। उन्होंने सोचा कि इतने समय से यह दोनों शिवगण मेरे आस-पास थे। मेरी मुखाकृति से दोनों गण परिचित भी थे। लेनिक तब भी इन्होंने मुझे वास्तविक सत्य से अवगत नहीं कराया। यह तो साक्षात राक्षस प्रवृति है। इसलिए जाओ, मैं तुम्हें शाप देता हूँ, कि तुम दोनों राक्षस हो जाओ। और एक मुनि के उपहास का फल भोगो-

शिवगणों को शाप देने के बाद भी मुनि के मन में ठहराव नहीं हो पा रहा था। उन्होंने फिर से जल में अपना मुख देखा, तो वे अपने मुनि रूप में पुन: लौट चुके थे। भगवान विष्णु जी के प्रति भी मुनि के मन में आक्रोश था। श्रीहरि के प्रति, अब उनका हृदय फट चुका था। श्रद्धा की सुगंध, एक भयंकर दुर्गंध में परिवर्तित हो चुकी थी। मुनि ने सोचा, कि भरी सभा में अगर मेरा अपमान हुआ है, तो इसका एकमात्र कारण भगवान विष्णु ही हैं। निश्चित ही मैं जाकर उनसे हिसाब चुकता करता हूँ। उन्होंने भगवान विष्णु के पास जाकर देखा, तो मुनि की तो आँखें फटी की फटी रह गई। कारण कि श्रीहरि के साथ श्रीलक्ष्मी जी तो उपस्थित थी ही। साथ में राजकुमारी भी उनके साथ थी। उस पर भगवान विष्णु जी ने पलट कर यह पूछ लिया, कि हे मुनि क्या हुआ। ऐसे व्याकुल की भाँति कहाँ भटक रहे हो। मुनि ने यह सुनना था, कि वे तो क्रोध से भर गए। उनके भीतर की मैल शब्दों के माध्यम से बाहर निकलने लगी

मुनि ने श्रीहरि पर ही आरोपों की बरसात कर दी। लग ही नहीं रहा था, कि कोई भक्त अपने भगवान से लड़ रहा था। ऐसा प्रतीत हो रहा था, मानो कोई सांसारिक व्यक्ति, किसी अन्य सांसारिक व्यक्ति से लड़ रहा हो। मुनि ने तो यहाँ तक कह दिया, कि हे श्रीहरि आप दूसरों की संपदा देख ही नहीं सकते। आपके मन में ईर्ष्या और कपट भरा हुआ है। यह भी कहा, कि समुद्र मंथन के समय, तुमने भगवान शिव जी को बावला बना दिया, और देवताओं को प्रेरित कर, भोलेनाथ को विषपान करा दिया।

अनेकों प्रकार के अशोभनीय शब्द कहने के पश्चात, मुनि ने भगवान श्रीहरि को भी शाप दे दिया। मुनि बोले, कि जिस प्रकार से मुझे ठगने के लिए, आपने मानव देह धारण की। ठीक ऐसे ही, आप भी भगवान होने के पश्चात भी, मानव देह को धारण करोगे। और जिस प्रकार से मैं नारी के वियोग में व्याकुल हुआ व रोया। ठीक तुम भी ऐसे ही, स्त्री वियोग से दुखी होगे। मुझे आपने वानर बनाकर, उपवास कराया है न?' को हरने के लिए आपका साथ देंगे।

क्या लंका नगरी का त्याग करते हुए विभीषण के मन में कोई पश्चाताप था?

श्रीविभीषण जी का लंका नगरी से त्याग होना, रावण के पापों के अंत की खुली घोषणा थी। विगत अंक में भी हमने कहा था, कि श्रीविभीषण जी ने जब कहा, कि अब मैं श्रीराम जी के सान्निध्य में जाकर वास करूँगा, तो उसी समय लंका नगरी के समस्त राक्षस गण, काल के आधीन हो गए। रावण भी उसी घड़ी वैभव से हीन हो गया।मन में प्रश्न उठता है, कि गोस्वामी जी ने इस घटना के घटने पर, रावण के संबंध में 'वैभवहीन' एवं 'आयुहीन' जैसे वाक्यों का प्रयोग क्यों करते हैं? क्योंकि रावण के वैभव हीन होने, अथवा राक्षसगणों के आयुहीन होने में, श्रीविभीषण जी के लंका त्याग की घटना का तो कोई संबंध ही प्रतीत नहीं होता। आईये, इस प्रश्न का समाधान हमें, भगवान शंकर प्रदान करते हैं। वे माता पार्वती जी को श्रीराम कथा रसपाण करवाते समय कहते हैं-

अर्थात हे भवानी! साधु का अपमान अगर कहीं भी हो गया है, तो वहाँ उसी क्षण सकल कल्याण की हानि हो जाती है। समस्त देवता वहाँ से रूठ जाते हैं। आपके द्वारा अर्जित की गई, संपूर्ण विद्यायें भी काली स्याही सिद्ध होती हैं। जीवन में किया गया प्रत्येक पुण्य, दुर्भाग्य से पाप की भेंट चढ़ जाता है। और रावण के साथ ऐसा ही घटने की संपूर्ण तैयारियां हो चुकी थीं। ऐसा नहीं कि रावण ने ऐसा पाप प्रथम बार किया था। इससे पूर्व भी, रावण श्रीहनुमान जी के साथ, ऐसा की कलुषितमय कार्य कर चुका था। अभी तक तो पहले वाले पापों का भी नाप-तोल नहीं हुआ था, कि रावण ने अपने पापों का, एक न्या अध्याय और जोड़ दिया था।इधर श्रीविभीषण जी ने जब लंका नगरी का त्याग किया, तो ऐसा नहीं, कि अपने इस निर्णय को लेकर, उनके मन में इसका कोई पश्चाताप था। वहीं उनके स्थान पर, अगर कोई सांसारिक, माया में रत्त व्यक्ति होता, तो निश्चित ही सोचता, कि मेरे साथ तो बड़ा घाटे का सौदा हो गया। मेरा मंत्री पद, सम्मान व इतनी बड़ी स्वर्ण लंका नगरी का सुख छिन गया। जाते-जाते बड़े भाई से, सबके सामने पिटाई खाई, वो अलग। हाय प्रभु, अभी तो श्रीराम जी के साथ, वनों के कष्ट सहना भी तो बाकी हैं। क्या कहुँ, मैं तो बरबाद हो गया।

इन उपायों को अपनाकर प्राप्त करें विघ्नहर्ता गणेश की कृपा

सुखकर्ता गणेश की आराधना से सभी कष्टों का निवारण किया जा सकता है। शुभ कार्यों को बिना किसी बाधा के पूर्ण करने के लिए भगवान गणेश को प्रसन्न करना अति आवश्यक होता है। माना जाता है गणपति जितनी जल्दी प्रसन्न होते हैं उतनी ही शीघ्रता से रुष्ट भी हो जाते हैं इसलिए श्री गणेश की आराधना पूरी श्रद्धा और पवित्र मन से करनी चाहिए।भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा गया है, जो विवेक शक्ति और बुद्धि के देवता माने जाते हैं। सभी देवताओं में भगवान गणेश को प्रथम स्थान दिया गया है इनका वाहन चूहा है और मोदक गणपति को विशेष प्रिय है। आइये जानते हैं कैसे भगवान गणेश की आराधना करके आप गणपति जल्दी प्रसन्न कर सकते हैं। एक चौकी पर लाल आसन बिछाकर गणेश जी को विराजमान करें,इसके बाद स्वस्तिवाचन करें और संकल्प करें। विघ्नहर्ता को सिंदूर अवश्य अर्पित करें। दूर्वा की माला पहनाएं और 21 जोड़े दूर्वा गणपति के चरणों में अर्पित करें। दूर्वा अर्पित करने से संकटो से मुक्ति मिलती है और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। चाहें तो संकष्टी चतुर्थी पर गणेश यंत्र की स्थापना करके सुख समृद्धि की प्राप्ति कर सकते हैं। - गणपति को हल्दी मिश्रित सिंदूर अर्पित करें, यह आपको सौभाग्य और समृद्धि की प्राप्ति कराएगा।

- दूर्वा गणेश जी को अतिप्रिय है। गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें।

- गणपति को मोदक प्रिय है, गणपति को अर्पित मोदक सबसे पहले किसी बालक को खिलाएं।

- गणेश जी को अक्षत के रूप में भीगे हुए चावल अर्पित करें।

- गणेश जी को पीला रंग विशेष रूप से प्रिय है इनको पीले चन्दन का तिलक लगाएं और पीला चन्दन अर्पित करें।

भगवान गणेश जी के प्रिय पुष्प

गणेश जी को प्रसन्न करने के लिए चमेली या पारिजात के फूल अर्पित करें या इनकी माला बनाकर गणपति को पहनाएं। लाल गुड़हल गणपति को विशेष प्रिय है, गणेश जी की पूजा में लाल गुड़हल के फूलों की माला अर्पित करें। इससे गणेश जी शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं।गणपति को प्रसन्न करने के लिए बहुत से मंत्र है लेकिन गणपति का सबसे चमत्कारिक मंत्र ? गण गणपतये नम: है ।

मेहा पटेल के प्यार में बोल्ड हुए अक्षर पटेल

टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने अपनी मंगेतर मेहा पटेल के साथ 26 जनवरी को सात फेरे ले लिए। इसी के साथ दोनों शादी के बंधन में बंध गए है। अक्षर पटेल की शादी धूमधाम से हुई है। दोनों ने वर्ष 2022 में सगाई की थी। वहीं शादी के बाद दोनों के फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे है।बता दें कि अक्षर पटेल की शादी में जयदेव उनादकट, मोहम्मद कैफ समेत कई क्रिकेटरों ने भी हिस्सा लिया। न्यूजीलैंड सीरीज में हिस्सा लेने के कारण कई स्टार खिलाड़ी अक्षर पटेल की शादी में शिरकत नहीं कर सके। इसी बीच अक्षर पटेल की शादी के समारोह के कई वीडियो वायरल हो रहे है। अक्षर पटेल अपनी बारात में जमकर डांस करते दिख रहे है। एक अन्य वीडियो में अक्षर और नेहा की जोड़ी की एंट्री दिख रही है।

जानिए कौन है अक्षर की पत्नी-बता दें कि अक्षर पटेल की पत्नी मेहा पटेल एक डायटिशियन और न्यूट्रिशियनिस्ट है। वो सोशल मीडिया पर समय समय पर कई डाइट प्लान शेयर करती रहती है। वो इंस्टाग्राम पर भी काफी एक्टिव है। अक्षर और मेहा दोनों हाल ही में अमेरिका में छुट्टियां बीता कर भी लौटे है।

शादी में ऐसा रहा दोनों का लुक-अक्षर पटेल और मेहा पटेल ने शादी में ट्वीनिंग की थी। दोनों एक ही रंग के कपड़े पहने दिखे। तस्वीरों और वीडियो में दोनों नक्काशीदार सफेद रंग के लिबास में बेहद खूबसूरत नजर आए। शादी के मौके पर जहां अक्षर पटेल ने पारंपरिक पगड़ी बांधी थी। वहीं मेहा भी शादी के हैवी वर्क वाले जोड़े में बेहद प्यारी लग रही हैं। लहंगे के साथ उन्होंने गोल्डन और ग्रीन कलर की ज्वैलरी कैरी की थी। बता दें कि अक्षर पटेल और मेहा एक-दूसरे को काफी लंबे समय से डेट कर रहे थे। शादी की रस्मों के दौरान दोनों काफी मस्ती में नजर आए। कुछ तस्वीरों और वीडियो में अक्षर डांस करते भी दिखाई दिए हैं।

फाइनल में हार.... आंखों में आंसूओं के साथ बोल नहीं पाई सानिया मिर्जा

भारत की स्टार खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने अपने जोड़ीदार रोहन बोपन्ना के साथ 27 जनवरी को ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में हार का सामना किया, जिसके साथ ही उनके करियर का अंतिम ग्रैंड स्लैम जीतने का मौका उनके हाथ से निकल गया। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2023 के मिक्स्ड डबल्स के खिताबी मुकाबले में 0-2 (7-6, 6-2) से हार का सामना करना पड़ा था।इस मुकाबले में हार के बाद सानिया मिर्जा अपने आसुओं को रोकने में सफल नहीं रह सकी। ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के रोड लेवर एरेना में खेले गए फाइनल मुकाबले में सानिया और बोपन्ना की जोड़ी को ब्राजील की जोड़ी लुइसा स्टेफनी और राफेल माटोस ने हराया। बता दें कि सानिया मिर्जा अपने करियर में 6 ग्रैंडस्लैम खिताब जीत चुकी है। ये उनके करियर का सातवां ग्रैंडस्लैम होता।

सानिया मिर्जा ग्रैंड स्लैम मुकाबला हारने के बाद काफी इमोशनल हो गई। इस मुकाबले के बाद बात करते हुए सानिया मिर्जा आंसू आ गए और वो रोने लगी। सानिया मिर्जा ने बोलते हुए अपनी आंखों से आंसू पोछे और कहा कि मेरा प्रोफेशनल करियर मेलबर्न में 2005 शुरू हुआ था। करियर को खत्म करने के लिए इससे अच्छा मौका नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि मैंने सेरेना विलियम्स के खिलाफ सबसे पहले 18 वर्ष की उम्र में खेला था और कैरोलिना के खिलाफ भी तभी खेला था। यहां खेलना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। इसे शानदार बनाने के लिए सभी को धन्यवाद।

बता दें कि सानिया मिर्जा भारतीय टेनिस का चेहरा है और भारतीय टेनिस के इतिहास की सबसे बड़ी खिलाड़ी है। सानिया मिर्जा का ये अंतिम ग्रैंड स्लैम था जिसे वो जीत के साथ खत्म नहीं कर सकी। मगर अगले महीने दुबई में होने वाले डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के बाद वो सन्यास लेंगी।

बता दें कि सानिया मिर्जा ने अपने प्रोफेशनल टेनिस करियर में कुल छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीते है। सानिया मिर्जा ने मिक्स्ड डबल्स मुकाबलों में 3 ग्रैंड स्लैम जीते है, जिसमें पहला महेश भूपति के साथ वर्ष 2009 में ऑस्ट्रेलियन ओपन, 2012 में फ्रेंच ओपन जीता था। ब्राजील के ब्रूनो सोरेस के साथ 2014 में अमेरिकी ओपन जीता था। इसके अलावा अन्य तीन ग्रैंड स्लैम उन्होंने महिला युगल के तौर पर जीते थे। उन्होंने मार्टिना हिंगिस के साथ विम्बलडन 2015, अमेरिकी ओपन 2015 और ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2016 का खीताब जीता था।

संक्षिप्त समाचार.....

अप्रैल में सुपर कप की मेजबानी करेगा केरल

नयी दिल्ली। सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट की इस साल अप्रैल में चार साल बाद वापसी होगी और इसकी मेजबानी केरल करेगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मंगलवार को बताया कि सुपर कप का आयोजन आठ से 25 अप्रैल के बीच केरल के तीन शहरों कोच्चि, कोझीकोड और तिरुअनंतपुरम में किया जाएगा। इसमें इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की सभी 11 टीमें और आई लीग में खेलने वाली पांच टीम भाग लेंगी। आईएसएल की सभी 11 टीमों और आई लीग की 2022-23 की चैंपियन टीम को ग्रुप चरण में सीधा प्रवेश किया जाएगा। आई लीग की बाकी चार टीमों का निर्धारण क्वालीफायर्स से होगा। क्वालीफायर्स तीन अप्रैल से खेले जाएंगे जिसमें आई लीग में दूसरे से दसवें स्थान तक रहने वाली टीम भाग लेंगी। एआईएफएफ के महासचिव शाजी प्रभाकरण ने कहा,'' महामारी के दौरान हम टूर्नामेंट का आयोजन नहीं कर पाए थे और अब इसकी वापसी सकारात्मक खबर है। इससे खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा के अधिक अवसर मिलेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पॉल ने शेल्टन को हराया

मेलबर्न। अमेरिका के टॉमी पॉल ने यहां अपने हमवतन युवा बेन शेल्टन को 7.6, 6.3, 5.7, 6.4 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष एकल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। पॉल अब तक 14 प्रयासों में पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। उनकी हौसलाअफजाई के लिये उनकी मां दर्शक दीर्घा में मौजूद थी। एंडी रॉडिक (2009) के बाद ऑस्ट्रेलियाई ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पॉल पहले अमेरिकी हैं।ग्रैंडस्लैम पुरुष एकल खिताब जीतने वाले भी रॉडिक आखिरी अमेरिकी थे जिन्होंने दो दशक पहले अमेरिकी ओपन जीता था। पॉल का सामना अब 21 बार के ग्रैंडस्लैम एकल विजेता नोवाक जोकोविच से होगा जिन्होंने पांचवें वरीय आंद्रे रूबलेव को एकतरफा मुकाबले में सीधे सेट में 6.1, 6.2, 6.4 से हराया।रूबलेव की ग्रैंडस्लैम क्वार्टर फाइनल में सात मैच में यह सातवीं हार है। दूसरे सेमीफाइनल में स्टेफानोस सितसिपास की टक्कर कारेन खाचानोव से होगी। महिला वर्ग में पोलैंड की गैर वरीय मागडा लिनेटे ने कैरोलिना प्लिसकोवा को 6.3, 7.5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

प्लिसकोवा के खिलाफ पिछले नौ मैच हार चुकी लिनेटे ने इससे पहले एनेट कोंटावेट, एकातेरिना अलेक्जेंद्रोवा और कैरोलिना गार्सिया को हराया था। अब उनका सामना पांचवीं वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका से होगा जिसने गैर वरीय डोन्ना वेकिच को 6.3, 6.2 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में दो बार की पूर्व चैम्पियन विक्टोरिया अजारेंका का सामना विम्बलडन चैम्पियन एलेना रिबाकिना से होगा। रिबाकिना ने शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को मात दी थी।

मैनचेस्टर यूनाईटेड लीग कप के फाइनल में पहुंचने के करीब

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड की प्रीमियर लीग का खिताब जीतने की उम्मीदें भले ही धुंधली पड़ गई है लेकिन वह लीग कप फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब जीतने की तरफ मजबूती से आगे बढ़ रहा है। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने लीग कप सेमीफाइनल के पहले चरण के मैच में नॉटिंघम फॉरेस्ट को 3-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाने कि अपनी संभावनाएं बढ़ा दी हैं। उसे सेमीफाइनल का दूसरा चरण ओल्ड ट्रैफर्ड में अपने घरेलू मैदान पर खेलना है।

मार्कस रैशफोर्ड, वॉट वेगोरस्ट और ब्रूनो फर्नांडीस के गोल की मदद से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने यह जीत दर्ज करके प्रीमियर लीग में रविवार को आर्सेनल से मिली हार की निराशा को दूर किया।

ऋद्धस्त्र ने कहा कि विश्व कप से पहले मेंटल कंडीशनिंग कोच नहीं होने के लिए मैं जिम्मेदार हूं

भारत के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने एफआईएच पुरुष हॉकी विश्वकप से पहले मानसिक अनुकूलन कोच नहीं रखने के लिए खुद को जिम्मेदार ठहराया है। भारत विश्वकप के क्वार्टर फाइनल में भी जगह नहीं बना पाया। उसने गुरुवार को यहां क्लासिफिकेशन मैच में एशियाई खेलों के चैंपियन जापान को 8-0 से हराया। इस मैच के बाद रीड ने कहा कि मेजबान होने के कारण टीम पर अतिरिक्त दबाव था जो कि कई बार मुश्किलें पैदा करता है।उन्होंने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा,'' इस विश्वकप में मेजबान होने के कारण टीम पर अतिरिक्त दबाव था। कई बार यह प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ने में मुश्किलें पैदा करता है। मेरा ऐसा मानना है।'' रीड ने कहा,'' मानसिक अनुकूलन कोच रखने पर चर्चा हुई थी लेकिन उस समय मुझे नहीं लगा कि इसकी जरूरत है। मुझे लगा कि खिलाड़ियों की इस तरह की जरूरतों को पूरा करने के लिए मेरे पास पर्याप्त अनुभव है।''भुवनेश्वर में न्यूजीलैंड के हाथों क्रॉसओवर मैच में हार के बाद रीड ने कहा था कि खिलाड़ियों को दबाव से पार पाने में मदद करने के लिए मानसिक अनुकूलन कोच की जरूरत थी। रीड ने कहा,'' हमें कोविड-19 से जूझना पड़ा और इस तरह की चीजों से उबरना आसान नहीं था। इसके बाद एशियाई खेल थे और बाद में उनको स्थगित कर दिया गया। हम आखिर में मानसिक अनुकूलन कोच नहीं रख पाए और इसकी जिम्मेदारी मैं लेता हूं।''

रीड ने इसके साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड जैसी टीम के पास मानसिक अनुकूलन कोच हैं। उन्होंने कहा कि मानसिक अनुकूलन कोच कोई भारतीय होना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया के रहने वाले 58 वर्षीय रीड ने हॉकी इंडिया लीग शुरू करने के राष्ट्रीय महासंघ के प्रयासों का समर्थन भी किया। यह लीग 2017 से आयोजित नहीं की जा रही है।उन्होंने कहा,'' क्या भारत में क्लब संस्कृति है। मैं सुनिश्चित नहीं हूं। हमें इस तरह की प्रतियोगिता की जरूरत है। हमें ऐसी प्रतियोगिता की आवश्यकता है जो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के करीब हो।'' रीड ने कहा,'' इससे पहले हॉकी इंडिया लीग का आयोजन किया जाता था जो कि बहुत अच्छा था। इस तरह की लीग से काम थोड़ा आसान हो जाएगा। विश्व हॉकी में ऐसा कोई नहीं है जो कि हॉकी इंडिया लीग का आयोजन होते हुए नहीं देखना चाहेगा।''हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने हाल में पीटीआई से कहा था कि हॉकी इंडिया लीग के इस साल के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है। रीड ने कहा कि इस साल के आखिर में एशियाई खेलों के आयोजन को देखते हुए जापान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा,'' इस साल के आखिर में एशियाई खेल होने हैं और हमें तब जापान से खेलना होगा, इस लिहाज से भी उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना महत्वपूर्ण था।''कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने भी कहा कि बड़ी संख्या में मौजूद घरेलू दर्शकों के सामने दबाव से पार पाना कई बार मुश्किल हो जाता है। हरमनप्रीत ने कहा,'' यह कम अनुभवी खिलाड़ियों के लिए थोड़ा मुश्किल हो जाता है जब वह खचाखच भरे स्टेडियम में खेलते हैं। यहां तक कि कई बार अनुभवी खिलाड़ी भी यह दबाव नहीं झेल पाते हैं।इसलिए यह मुश्किल था।''उन्होंने कहा,'' लेकिन यदि आप अपने खेल पर ध्यान दो तो आप दर्शकों के समर्थन को सकारात्मक रूप में ले सकते हैं। यह हमारे लिए अच्छा सबक है। अगर हम फिर से इस तरह के माहौल में खेलते हैं तो हम जानते हैं कि इसके लिए मानसिक रूप से कैसे तैयार होना है।'' भारत नौवें से ले कर 12वें स्थान के क्लासिफिकेशन मैच में शनिवार को दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा।

भारत को फाइनल से पहले बल्लेबाजी में आक्रामकता लाने की जरूरत

ईस्ट लंदन। भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को फाइनल से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले त्रिकोणीय टी20 क्रिकेट श्रृंखला के मैच में अपने रवैए में आक्रामकता लानी होगी। वेस्टइंडीज के पहले तीनों मैच गंवाने के कारण भारत और दक्षिण अफ्रीका पहले ही फाइनल में जगह बना चुके हैं। ऐसे में दो फरवरी को होने वाले फाइनल से पहले यह मैच उसकी 'ड्रेस रिहर्सल' की तरह होगा। अगर स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर की अनुभवी जोड़ी ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से नहीं निभाई होती तो भारतीय टीम पिछले लीग मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ प्रतिस्पर्धी स्कोर नहीं बना पाती।

इन दोनों खिलाड़ियों से जहां निरंतर अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद की जा रही है वहीं कप्तान को युवा खिलाड़ियों से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। शेफाली वर्मा की अनुपस्थिति में पारी का आगाज कर रही यास्तिका भाटिया पावरप्ले में आक्रामक रवैया अपनाने में नाकाम रही है। अभी तो भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज से हो रहा है लेकिन विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीमों के खिलाफ इस तरह का रवैया टीम को मुश्किल में डाल सकता है। शेफाली की तरह अंडर-19 विश्व कप में खेल रही रिचा घोष की अनुपस्थिति में भारत को मध्यक्रम में एक 'पावर हिटर' की कमी खल रही है। अमनजीत कौर ने अपने पदार्पण मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था और वह उसे दोहराने की कोशिश करेगी। जेमिमा रोड्रिग्स की खराब फॉर्म ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से ही जारी है और वह अगले महीने होने वाले विश्व कप से पहले कुछ रन अपने नाम लिखवाना चाहेगी।इस मैच से हरलीन देओल को भी अपना प्रभाव छोड़ने का मौका मिलेगा क्योंकि वह पिछले दो मैचों में नाकाम रही थी। ऑलराउंडर पूजा वस्त्राकर फिटनेस से जुड़े मसलों के कारण अभी तक कोई मैच नहीं खेल पाई है लेकिन वह शनिवार को अंतिम एकादश में जगह बना सकती है। भारतीय टीम में वापसी करने वाली शिखा पांडे से भी गेंदबाजी में टीम को अच्छी शुरुआत की जरूरत है। वह वापसी के बाद अपने पहले मैच में विकेट नहीं ले पाई थी। दक्षिण अफ्रीका टूर्नामेंट के पहले मैच में भारत से हार गया था और वह फाइनल से पहले इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेगा।दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 10 विकेट से हराकर फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की थी। टीम इस प्रकार हैं- भारत- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, देविका वैद्य, राजेश्वरी गायकवाड़, राधा यादव, रेणुका ठाकुर, मेघना सिंह, अंजलि सरवानी, सुषमा वर्मा (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, पूजा वस्त्राकर, सभिनेनी मेघना, स्नेह राणा और शिखा पांडे। दक्षिण अफ्रीका-सुने लुस (कप्तान), क्लो ट्राईटन (उपकप्तान), एनेके बॉश, ताज़मिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्क्सन, लारा गुडॉल, शबनीम इस्माइल, सिनालो जाफ्ता, मरिज़ैन कप्प, अयाबोंगा खाका, मसाबाटा क्लास, टेबोगो मचेके, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, डेल्मी टकर और लौरा वोल्वार्ड्ट।

सोसिडाड को हराकर बार्सिलोना कोपा कप के सेमीफाइनल में

मैड्रिड। फ्रांस के फारवर्ड ओस्मान डेंबेले के गोल की मदद से बार्सिलोना ने बुधवार को यहां रियाल सोसिडाड को 1-0 से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ओस्मान डेंबेले ने दूसरे हाफ में यह महत्वपूर्ण गोल किया। बार्सिलोना ने इस तरह से एक साल के इंतजार के बाद इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस पराजय से सोसिडाड का लगातार नौ मैच जीतने का सिलसिला भी टूट गया। सोसिडाड को 40 मिनट के खेल के बाद ही 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा जिसका फायदा उठाकर बार्सिलोना ने जीत दर्ज की। सोसिडाड की यह मेहमान टीम के रूप में बार्सिलोना के हाथों लगातार 27वीं हार है। बार्सिलोना 2021 में कोपा कप के प्री क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाया था।

सरकार ने रैंकिंग सीरीज Zagreb Open में पहलवानों की भागीदारी को मंजूरी दी

सरकार ने बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट सहित 55 सदस्यीय भारतीय कुश्ती दल को एक से पांच फरवरी के बीच होने वाले जाग्रेब ओपन ग्रांप्री में भाग लेने की मंजूरी दे दी है। नवनियुक्त निगरानी समिति ने रैंकिंग सीरीज के इस पहले टूर्नामेंट के लिए 12 महिला, 11 ग्रीको रोमन और 13 पुरुष फ्रीस्टाइल पहलवानों को चुना है। खेल मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार इस टीम में ओलंपिक रजत पदक विजेता रवि कुमार दहिया, अंशु मलिक और दीपक पूनिया भी शामिल हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस दौरे का पूरा खर्चा सरकार वहन करेगी।खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न के मामलों की जांच के लिए इस सप्ताह के शुरू में पांच सदस्यीय निगरानी समिति का गठन किया था। इस समिति को डब्ल्यूएफआई के रोजमर्रा के काम को देखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दिग्गज मुक्केबाज एमसी मेरीकॉम की अध्यक्षता वाली इस समिति में पूर्व पहलवान योगेश्वर दत्त, पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी और मिशन ओलंपिक सेल की सदस्य तृप्ति मुरगुंडे, टॉप्स के पूर्व सीईओ राजगोपालन और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) की पूर्व कार्यकारी निदेशक (खेल) राधिका श्रीमन शामिल हैं।पहलवानों ने हालांकि इस पर निराशा व्यक्त की है कि समिति का गठन करने से पहले उनकी राय नहीं ली गई। पिछले सप्ताह बजरंग, विनेश और रवि दहिया सहित कई पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष को बर्खास्त करने की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर तीन दिन का धरना दिया था। पहलवानों ने शरण पर तानाशाही रवैया अपनाने और जूनियर पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। पहलवानों ने हालांकि उन खिलाड़ियों की पहचान उजागर नहीं की जिनका कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया।

AFC महासचिव दातुक सेरी विंडसर जॉन ने विजन 2047 के प्रति समर्थन का वादा किया

भारत पहुंचने पर एएफसी के अधिकारी ने बुधवार को राजधानी में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के महानिदेशक संदीप प्रधान से मुलाकात की। इस अवसर पर एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे और महासचिव शाजी प्रभाकरन भी उपस्थित थे।एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के महासचिव दातुक सेरी विंडसर जॉन ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की विजन 2047 परियोजना को अपना समर्थन देने का वादा किया है। भारत पहुंचने पर एएफसी के अधिकारी ने बुधवार को राजधानी में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के महानिदेशक संदीप प्रधान से मुलाकात की। इस अवसर पर एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे और महासचिव शाजी प्रभाकरन भी उपस्थित थे।विंडसर जॉन को विजन 2047 के रणनीतिक खाके के विवरण से अवगत कराया गया। उन्होंने विजन 2047 की योजना बनाने के तरीके की सराहना की और आशा व्यक्त की कि सभी हितधारक इसे सफल बनाने के लिए मिलकर काम करेंगे। उन्होंने आगे इसके कार्यान्वयन के लिए एएफसी से पूर्ण समर्थन का वादा किया। चौबे ने कहा, ''एएफसी हमेशा एक मजबूत भागीदार रहा है और उसने पूरे एशिया में फुटबॉल को विकसित करने में मदद की है। हम केवल बेहतर भविष्य बनाने के लिए साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं।''प्रभाकरन ने कहा, ''अपने पूरे अनुभव और विशेषज्ञता के साथ एएफसी की इस यात्रा ने हमें और आत्मविश्वास और प्रोत्साहन दिया है कि उनकी मदद से हम अपनी क्षमता को और बढ़ा सकते हैं तथा भारतीय फुटबॉल को आगे ले जाने के लिए विभिन्न विभागों को शामिल कर सकते हैं।

भारत का संविधान

संविधान की पहली कॉपी देहरादून के सर्वे ऑफ इंडिया की प्रेस में छापी गई थीं। उस दौरान संविधान की एक हजार प्रतियां छापी गई थीं। आज भी देहरादून के सर्वे ऑफ इंडिया के ज्यूजियम में संविधान की एक कॉपी रखी हुई है। यहां आपको यह भी बता दें कि संविधान की पहली मूल प्रति हाथ से लिखी गई थी। यह हस्?त लिखित मूल प्रति नई दिल्ली के नेशनल ज्यूजियम में सुरक्षित है। दिल्ली निवासी प्रेम बिहारी नारायण रायजादा ने भारत के संविधान की मूल प्रति को हाथ से लिखा था। सर्वे ऑफ इंडिया की वेबसाइट में इसे ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में दर्ज किया गया है। सर्वे ऑफ इंडिया का अहम योगदान

भारतीय संविधान की पहली कॉपी उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में छपी थी

भारत का संविधान प्रकाशित करने में देहरादून स्थित सर्वे ऑफ इंडिया का अहम योगदान रहा है। तब सर्वे ऑफ इंडिया का मुख्यालय देहरादून में हुआ करता था।यहां नॉदर्न प्रिंटिंग ग्रुप में पहली बार इसकी एक हजार प्रतियां प्रकाशित की गईं थीं। इसे फोटोलिथोग्राफिक तकनीक से प्रकाशित किया गया था। इसी तकनीक से सर्वे ऑफ इंडिया नक्शे भी बनाता है।

नौ नंबर मशीन से छापी गई थीं एक हजार प्रतियांअंग्रेजों ने सर्वेयर जनरल ऑफ इंडिया का गठन कर चार प्रिंटिंग ग्रुपों (नार्दर्न, ईस्टर्न, साउदर्न और वेस्टर्न प्रिंटिंग ग्रुप) को भारत में स्थापित किया था। नार्दन प्रिंटिंग ग्रुप देहरादून में बनाया गया था। इसी प्रेस की नौ नंबर मशीन से भारत के संविधान की पहली प्रति छापी गई थी। जिसकी एक हजार कॉपियां छापी गई थीं।

कैसे तैयार हुआ संविधान

1946 में संविधान सभा की स्थापना हुई। जिसमें 389 सदस्य थे। सभा की पहली बैठक नौ दिसम्बर, 1946 को हुई।

दिसम्बर 11, 1946, को डा. राजेन्द्र प्रसाद को स्थाई चेयरमैन चुना गया।

देश के विभाजन के बाद सदस्य संख्या घट कर 299 रह गई।

तब संविधान सभा में आठ मुख्य समितियां और 15 अन्य समितियां थीं।

डा.बीआर अम्बेडकर ड्राफ्टिंग कमेटी के चेयरमैन थे।

हस्तलिखित संविधान पर 24 जनवरी 1950 को 284 संसद सदस्यों ने साइन किए थे।

सबसे पहले भारत

सुभाष चंद्र बोस को किसने दी नेताजी की उपाधि

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आज 126 वीं जयंति है। देश के स्वतंत्रता आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाले नेताजी का जन्म 23 जनवरी 1897 में ओडिशा के कटक में हुआ था। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा देने वाले नेताजी ने स्वतंत्रता की लड़ाई में आम लोगों में एक अलग जोश पैदा किया था। उनका यह नारा हर भारतीय को याद है। सुभाष चंद्र बोस कई बार जेल भी गए और देश की पहली भारतीय फोज आजाद हिंद फोज की स्थापना की थी। लेकिन क्या आप जानते हैं उन्हें नेताजी सबसे पहले किसने कहा था

महात्मा गांधी से थे अलग विचार

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के महात्मा गांधी से विचार नहीं मिलते थे। महात्मा गांधी ने हमेशा अहिंसा की बात की थी और उसी से देश में आजादी पाने के लिए अंग्रेजों के खिलाफ अहिंसक दांडी मार्च (नमक सत्यग्रह) निकाला था। दूसरी ओर नेताजी उनसे एकदम अलग सोच रखते थे, उनका मानना था कि देश को आजादी दिलाने के लिए अहिंसा से काम नहीं चल सकता। उन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ने के लिए एक अलग राजनीतिक पार्टी ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की थी।

कई बार गए जेल

आजादी की लड़ाई में लोगों में जोश भरने वाले नेताजी कई बार ब्रिटिश हुकुमत से लोहा लेते हुए जेल भी गए थे। वे 1921 से 1941 के बीच पूर्ण स्वराज के लिए 11 बार जेल गए और ब्रिटिश शासन के खिलाफ आक्रोश पैदा किया। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान वे सोवियत संघ, जर्मनी और जापान भी गए और उन्होंने वहां अंग्रेजों के खिलाफ साथ देने की मांग की।

ऑस्ट्रियाई युवती से किया था प्रेम विवाह

नेताजी ने वर्ष 1937 में अपनी सेक्रेटरी और ऑस्ट्रिया की युवती एमिली शेंकल से प्रेम विवाह किया था। नेताजी ने एमिली से प्रेम विवाह तो किया था, लेकिन उनका सबसे पहला प्रेम देश से था।

तानाशाह ने दी थी नेताजी की उपाधि

सुभाष चंद्र बोस को नेताजी की उपाधि एक जर्मन तानाशाह ने दिया था। दरअसल, सुभाष चंद्र बोस देश की आजादी के लिए कुछ भी करने को तैयार थे और इसी के चलते वे जर्मनी पहुंचकर तानाशाह अडोल्फ हिटलर से मिले थे। हिटलर ने भारत को आजादी दिलाने में कोई मदद तो नहीं की, लेकिन उन्होंने सुभाष चंद्र बोस से मिलते ही नेताजी के नाम से पुकारा। इसी मुलाकात के बाद सुभाष चंद्र बोस को नेताजी के नाम से जाना गया।

सम्मान समारोह में एक वेश्या को देखकर हैरान रह गए थे स्वामी विवेकानंद

नरेंद्रनाथ दत्त से स्वामी विवेकानंद बनने के सफर इतना आसान नहीं रहा। स्वामी विवेकानंद को कई ऐसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा जिसे लांघ कर वो पूर्ण सन्यासी बने। एक बार स्वामी विवेकानंद की मुलाकात एक ऐसी वेश्या से हुई जिसने उनके मन से एक डर निकाल दिया।

। एक ऐसा आध्यात्म गुरू जिसने भारतीय सनातन धर्म को पूरी दुनिया से परिचित करवाया। भारतीय पुनर्जागरण के पुरोधा माने जाने वाले स्वामी विवेकानंद की बातें हमेशा प्रासंगिक रहेगी। हालांकि, नरेंद्रनाथ दत्त से स्वामी विवेकानंद बनने के सफर इतना आसान नहीं रहा। स्वामी विवेकानंद को कई ऐसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसे लांघ कर वो पूर्ण सन्यासी बने। गौरतलब है कि जिस इंसान ने पूरी दुनिया को जीवन जीने की एक नई राह दिखाई, उनकी सोच एक बार एक वेश्या ने बदल दी।

कहानी ये है कि एक बार जयपुर के राजा ने स्वामी विवेकानंद को अपने महल में बुलाकर उन्हें आदर सम्मान करने की इच्छा जताई। राजा के आग्रह पर विवेकानंद उनके महल पर पहुंच गए। उनके आने पर एक भव्य आयोजन किया गया। राजा ने इस कार्यक्रम में कई नर्तकियों को भी बुलाया। उनमें एक वेश्या भी थी। हालांकि, राजा को इस बात का अहसास हुआ कि सन्यासी की मेजबानी करते वक्त किसी वेश्या को बुलाना नहीं चाहिए। लेकिन, अब बहुत देर हो चुकी थी।

वहीं, जब यह बात विवेकानंद को पता चला कि उनके स्वागत में एक वेश्या भी आइ है। तो वो काफी परेशान हो गए। परेशानी की वजह थी कि विवेकानंद अभी तक पूर्ण सन्यासी नहीं बने थे, इसलिए उन्हें इस बात की चिंता थी कि वो जिस यौन इच्छाओं को दबाए बैठे हैं, वो इच्छा वेश्या को देखकर जाग न उठे। वेश्या से दूरी बनाने के लिए विवेकानंद ने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया।राजा को जब इस बात की भनक पड़ी तो वो समझ गए कि आखिर क्यों उन्होंने खुद को कमरे में कैद कर लिया है। राजा सीधे विवेकानंद से माफी मांगने उनके कमरे में दाखिल हुए। दाखिल होने के तुरंत बाद राजा ने माफी मांगते हुए कहा कि उसने कभी भी किसी सन्यासी की मेजबानी नहीं की थी, इसलिए उससे यह भूल हो गई। राजा ने कहा कि जो वेश्या उनके स्वागत के लिए आई है, वो देश की सबसे बड़ी वेश्या है। इसलिए उसे यूं वापस भेजना अच्छी बात नहीं है। यह बात सुनने के बाद भी विवेकानंद का आक्रोश कम नहीं हुआ और उन्होंने कहा कि वो कभी भी एक वेश्या के आगे नहीं आएंगे।

जब हुआ गलती का अहसास

विवेकानंद की यह बात वेश्या की कानों तक पहुंच गई। वेश्या ने इसके बाद बिना समय गंवाए गाना शुरू कर दिया। वह गीत सन्यास पर आधारित था। वेश्या ने गाते हुए कहा, %मैं जानती हूं, मैं आपके योग्य नहीं हूं लेकिन आप मुझ पर थोड़ी दया कर सकते थे। मैं जानती हूं कि मैं रास्ते की गंदगी हूं। लेकिन आपको मुझसे नफरत करने की जरूरत नहीं है। मेरा कोई वजूद नहीं है, मैं अज्ञानी हूं, मैं पापी हूं, लेकिन आप तो एक संत हैं, फिर आप मुझसे डर क्यों रहे हैं?%

वेश्या के आगे परास्त हुए विवेकानंद

इसके बाद विवेकानंद को अहसास हो गया कि उन्हें वेश्या के आक्रर्शन का डर है। अगर वो अपने मन से यह डर निकाल देंगे तो उनका मन शांत हो जाएगा, जिससे वो एक संपूर्ण सन्यासी बनने की तरफ बढ़ सकेंगे। इसके बाद वो फौरन दरवाजे से बाहर निकले और वेश्या को प्रणाम किया। न सिर्फ वो वेश्या के आगे गए ब्लकि उन्होंने वेश्या से बातचीत करते हुए कहा, %भगवान ने आज एक बड़ा रहस्य खोल दिया है। मुझे डर था कि मेरे अंदर कोई वासना होगी लेकिन आपने मुझे पूरी तरह परास्त कर दिया। मैंने ऐसी शुद्ध आत्मा पहले कभी नहीं देखी।% विवेकानंद ने आगे कहा कि अगर मैं आपके साथ अकेले भी रहूं तो मुझे कोई परवाह नहीं।

जौनपुर कलेक्ट्रेट में 12 अगस्त 1942 को ही उतारा गया था यूनियन जैक, छात्रों पर चली थी गोलियां

आजादी के दीवाने क्रांतिकारी छात्रों की टोलियों के साथ 12 अगस्त 1942 को कलेक्ट्रेट को घेर लिया। वहां लगे यूनियन जैक को उतारने के बाद पहुंची अंग्रेजी सेना से भी भिड़ गए। इसी दौरान अंग्रेज कप्तान इमग्रेन घायल हो गया। बौखलाए पुलिस अधीक्षक ने छात्रों पर गोली चलाने का आदेश दे दिया था। इसमें कई लोग घायल हो गए थे और उन्हें अंग्रेजों ने गिरफ्तार भी कर लिया। इस खौफनाक दिन की चर्चाएं आज भी आम है।12 अगस्त 1942 को छात्रों की बैठक हुई और दो टोली बनाई गई। लगभग दो सौ छात्रों की टोली का नेतृत्व दिवाकर सिंह कर रहे थे, जबकि 150 छात्रों की अगुवाई हरिहर सिंह के जिम्मे था। सभी दोपहर दो बजे कलेक्ट्रेट पहुंचे और वहां लगे यूनियन जैक को उतार दिया। जानकारी होते ही पुलिस पहुंची तो झंडे को लेकर छात्रों से छीना-झपटी शुरू हो गई।इस दौरान हुए लाठीचार्ज में किसी ने पत्थर चलाया जो कप्तान एमग्रेन को लग गया, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद बौखलाए कप्तान ने गोली चलाने का आदेश दे दिया। इसमें दिवाकर, केदारनाथ सिंह, सूबेदार मिश्र, मोहम्मद उमर, केदार नाथ सिंह समेत तमाम लोग घायल हुए। जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 25 दिसंबर 1944 को जेल से छूटने के बाद दिवाकर सिंह को जनपद से निष्कासित कर दिया गया। इसके बाद विकास भवन के सामने क्रांति स्तंभ का निर्माण कराया गया। यहां हर साल 12 अगस्त के दिन सामाजिक संगठन के लोग और अधिकारी तिरंगा फहराते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

आजादी के दीवाने क्रांतिकारी छात्रों की टोलियों के साथ 12 अगस्त 1942 को कलेक्ट्रेट को घेर लिया। वहां लगे यूनियन जैक को उतारने के बाद पहुंची अंग्रेजी सेना से भी भिड़ गए। इसी दौरान अंग्रेज कप्तान इमग्रेन घायल हो गया।

स्वतंत्रता सेनानी प्रेमवती

गोली खाई पर राष्ट्र की राह में नहीं डगमगाई

स्वतंत्रता आंदोलन की चर्चा हो और यहां स्वतंत्रता सेनानी स्व. प्रेमवती गुप्ता का नाम न आए, ऐसा संभव नहीं। ब्रिटिश शासन के खिलाफ आंदोलन के दौरान प्रेमवती की टोली पर अंग्रेजी पुलिस ने फायरिंग की। उनकी आंख के पास गोली भी लगी, मगर वह डगमगाई नहीं। भारत माता की जय बोलते हुए उन्होंने गिरफ्तारी दी। उन्हें छह माह की सजा भी हुई। वह महात्मा गांधी के आह्वान पर स्वतंत्रता आंदोलन में कूदी थीं।ब्रिटिश सरकार के खिलाफ हुए नमक आंदोलन में कासगंज की प्रेमवती गुप्ता ने जिले भर में अग्रणी भूमिका अदा की। ब्रिटिश सरकार ने सन् 1930 मे नमक पर टैक्स लगा दिया था। तब महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन का बिगुल फूंका था। पूरे देश में नमक आंदोलन हुआ था। चूंकि कासगंज उस दौरान एटा जिले में था, सो यहां भी आंदोलन की चिंगारी फूटी थी। सोरों में एकत्रित हुए आजादी के मतवालों ने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया था।ब्रिटिश सरकार ने आंदोलनकारियों पर दमनात्मक कार्रवाई की, मगर सेनानियों के हौसले नहीं टूटे।

क्या यह सच नहीं है कि आज भी अनेक

राष्ट्रीय समस्याएं' विभाजन की ही विरासत हैं?

प्रत्येक बड़ी घटना या उपलब्धि का एक स्याह पक्ष होता है जिसे सामान्यत- हम या तो याद नहीं रखना चाहते या उससे बचने का प्रयास करते हैं। हमेशा अच्छी यादों को संजो कर रखने की सहज मानवीय प्रवृत्ति का ही परिणाम है कि हम प्रत्येक वर्ष आजादी की वर्षगांठ तो धूमधाम से मनाते हैं, किंतु विभाजन जैसी त्रसदी, जिसने हमेशा के लिए भारत का भाग्य और भूगोल बदल दिया, उसके प्रति उदासीन रवैया अपनाते हैं। समस्या से बचने का यह शुतुरमुर्गी तरीका है जो रेत में अपनी गर्दन छुपा कर यह सोचता है कि समस्या टल गई है। जबकि किसी समस्या का समाधान करने के लिए पहले उसे स्वीकार करना पड़ता है फिर उसका सामना करना पड़ता है।इसलिए न केवल इसे याद रखना जरूरी है, बल्कि वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को इससे परिचित करवाना भी आवश्यक है, ताकि देशवासी इस मर्म को महसूस कर सकें कि देश को स्वाधीनता किस कीमत पर मिली है। इस त्रसदी को लेकर एक विवेकपूर्ण नागरिकबोध उत्पन्न होना चाहिए ताकि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया और मजबूत हो सके। आखिर इस बात को समझे बिना कि आज भारत राष्ट्र का जो भूगोल है वह विभाजन के पहले कैसा था, एक परिपक्व राष्ट्रीय चेतना का विकास कैसे हो सकता है? और इस भूगोल को बदलने की राजनीति को समझे बिना राष्ट्र भविष्य की एक स्पष्ट तस्वीर कैसे बना सकता है? इसलिए जब बीते वर्ष प्रधानमंत्री द्वारा 'विभाजन विभीषिका दिवस' मनाने की बात कही गई तो यह एक अच्छा अवसर बन गया कि इतिहास के सहारे वर्तमान और भविष्य की तस्वीर बेहतर की जा सके। तो अब सवाल है कि विभाजन में देश ने ऐसा क्या खोया जिसके लिए 'विभीषिका' विशेषण का प्रयोग किया जाना चाहिए?

भारतीय डाक मात्र 25 रुपये में दे रहा राष्ट्रीय ध्वज

दिलचस्प यह भी है कि विभाजन का प्रत्यक्ष दंश देश के कुछ खास हिस्सों ने ही डोला और बाकी हिस्सों में यह महज एक घटना बनकर रह गई। इसलिए यह हिस्सा आज भी उस जटिलता को महसूस करने में असमर्थ है। आज इस विडंबना को समझना आवश्यक है कि कैसे रेडक्लिफ द्वारा खींची गई रेखा ने दो समुदायों को दो अलग राष्ट्र का निवासी बना दिया। और इस प्रक्रिया में लगभग पांच लाख लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। नव-स्वतंत्र देश की धरती शरणार्थी शिविरों से भरी जाने लगी। जिस एक सीमा के लोग साथ रहने का दावा कर रहे थे वहां आज तीन देश हैं। यह कोई मामूली बात नहीं। समुदाय, अस्मिता और राष्ट्र जैसी संकल्पना पर विचार करने वालों के लिए यह एक

मानीखेज परिघटना है। साथ ही भारत राष्ट्र की बुनावट को समझने के लिए विभाजन एक विभाजक रेखा की तरह है। इसलिए नई आशाओं पर कुठाराघात की विवेकपूर्ण स्मृति जनमानस में रहे, यह उचित ही है। क्या यह सच नहीं है कि आज भी अनेक 'राष्ट्रीय समस्याएं' विभाजन की ही विरासत हैं?हालांकि ऐसा भी नहीं है कि विभाजन का इतिहास केवल हिंसा के उदाहरणों और पीड़ाओं से पटा पड़ा है। अगर एक तरफ दरिंदगी की सारी हदों को पार कर इंसानियत को शर्मसार करने वाले लोग थे तो दूसरी तरफ इनसानियत और सौहार्द को अपने हृदय में समेटे हुए लोगों का एक विशाल समूह भी था। ऐसी अनगिनत कहानियां हाल के दिनों में भी उजागर हुई हैं

आईरा इंटरनेशनल ने धूमधाम से मनाया 74 वां गणतंत्र दिवस

इंटरनेशनल रिपोर्टर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय चेयरमैन तारिक जकी और राष्ट्रीय महासचिव अविनाश श्रीवास्तव ने दूरभाष के माध्यम से कार्यक्रम में मौजूद लोगों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनायें दीं तथा सदैव राष्ट्रहित में निष्पक्ष पत्रकारिता करने की बात कही । कार्यक्रम में मुख्य रूप से संजय शर्मा, सुरेश कुमार सविता, रमन गुप्ता, राज शर्मा, संजय सिंह, बी.पी. साहू, महेश प्रताप सिंह, यश श्रीवास्तव, अर्जुन विक्रम सोमवंशी, आर. के. पाण्डे, अजय गुप्ता, मंगल, अर्जुन श्रीवास्तव आदि लोग मौजूद रहे ।

बी पी एस न्यूज

(यश श्रीवास्तव) कानपुर। गुजैनी स्थित आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर्स एसोसिएशन के केंद्रीय कार्यलय में बड़ी धूमधाम के साथ 74 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आईरा इंटरनेशनल के सभी सदस्यों और पदाधिकारियों द्वारा मिलकर पहले झंडारोहण किया फिर राष्ट्रगान गाया और भारत माता की जय वन्देमातरम के नारे लगाये । झण्डरोहण कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों ने एक दूसरे को लड्डु खिलाकर मुंह मीठा कराया और एक दूसरे को गणतंत्र दिवस की शुभकामनायें दीं। आईरा

अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के जिला कार्यालय में फहराया गया राष्ट्रीय ध्वज

बी पी एस न्यूज

कानपुर। गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार ऐसोशियेसन के द्वारा हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी झंडा रोहन का कार्यक्रम जी टी मार्क ढाबा में हुआ जिसमे भारी संख्या में सदस्यों का आगमन हुआ।

कई सदस्यों को उनका पहचान पत्र दिया गया। कार्यक्रम को एसोसिएशन के पदाधिकारियों व सदस्यों ने मिलकर सफल बनाया।

कार्यक्रम के अंत में जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने पदाधिकारियों व सदस्यों से कहा कि संगठन के जो पदाधिकारी या सदस्य कार्यक्रम में नही पहुंच सके वो कारण बताते हुए प्रार्थना पत्र प्रेषित करें कि संगठन से आपको क्यो न निस्कासित किया जाये।

प्राथमिक विद्यालय में धूमधाम के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

बीपीएस न्यूज

(विनय कुमार) कानपुर। पूर्व माध्यमिक विद्यालय हाता सवाई सिंह खंड सदर बाजार जनपद कानपुर नगर के प्रांगण मैं प्राथमिक विद्यालय कन्या चटाई मोहाल प्राथमिक विद्यालय सेंट्रल चटाई मोहाल प्राथमिक विद्यालय मनीराम बगिया प्रथम प्राथमिक विद्यालय मखनिया बाजार विद्यालयों में बड़े धूमधाम एवं हर्षोल्लास से गणतंत्र दिवस महोत्सव मनाया गया।

विद्यालय प्रधानाध्यापक श्री रामकृष्ण शुक्ला द्वारा झंडारोहण

करने के उपरांत विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए अध्यापकों के द्वारा गणतंत्र दिवस महोत्सव एवं भारतीय संविधान के निर्माण करता बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला गया। समारोह में देश दीपक श्रीवास्तव, विवेक कुमार, अखिलेश कुमार, शशि, कल्पना, अनुज कुमार गुप्ता, सीमा दीक्षित, विनय कुमार, वंदना एवं अभिभावक गण उपस्थित रहे।

ई कचरा का उचित प्रबंधन अर्थव्यवस्था की बन सकता है ताकत:नरेन्द्र मोदी

बीपीएस न्यूज

कानपुर । रेडियो पर रविवार को प्रसारित मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ई कचरे पर अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि ई कचरे को व्यवस्थित नहीं किया गया तो यह हमारे पर्यावरण के लिए नुकसानदायक हो सकता है उन्होंने कहा कि अगर हम इसे सावधानीपूर्वक री साइकिल कर पुन: उपयोग में लाए तो यह अर्थव्यवस्था के लिए ताकत बन सकता है ।मन की बात के 97वे एपिसोड को रविवार को भाजपा दक्षिण जिला अध्यक्ष डॉ बीना आर्या पटेल के निर्देश पर सभी बूथों में रेडियो और दूरदर्शन पर सुना गया। भाजपाइयों ने कार्यक्रम की फोटो पार्टी द्वारा भेजे गए लिंक पर अपलोड भी की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लोग दो अभियानों में भागीदार के कारण क्रांति के रास्ते पर हैं ।लोगों ने बड़े पैमाने पर योग को अपने जीवन में हिस्सा तो बनाया ही था लेकिन अब बड़े पैमाने पर लोग मिनट्स को अपना रहे हैं। मोदी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। हमारा स्वभाव व संस्कृति ही लोकतांत्रिक है। मोदी ने पद्म पुरस्कारों से विभूषित किए गए जनजातिय क्षेत्रों के विभिन्न लोगों पेंटर, म्यूजिशियन ,किसान एवं कलाकारों की प्रेरणादायक कहानियों को पढ़ने की लोगों से अपील की। उन्होंने कहा कि जनजातीय जीवन शहरी जीवन से अलग होने के कारण चुनौतीपूर्ण है। इसके बावजूद वे अपनी परंपराओं को बचाए रखने के लिए तत्पर रहते हैं। मन की बात कार्यक्रम को प्रमुख रूप से प्रकाश वीर आर्य ,अरुण कुमार बाजपेई, सुनील दीक्षित,सुरेश खुराना, सतीश विज, संतोष दीक्षित, मनोज पाल आदि ने सुना।

अलग-अलग मामलों में इनामिया वांछित हुए गिरफ्तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।कमिश्नरेट के अलग-अलग थानों में पुलिस आयुक्त न उपायुक्त पूर्वी के निर्देश पर वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु सघन अभियान के तहत त्वरित कार्यवाही करते हुए रविवार को मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त इब्राईल पुत्र इशाक निवासी ग्राम दिबियापुर थाना महाराजपुर उम्र 32 वर्ष को श्रीपाल निषाद की पान की गुमटी के पास वहद ग्राम दिबियापुर थाना क्षेत्र महाराजपुर से गिरफ्तार कर लिया गया ।अभियुक्त को जेल भेजने की कार्यवाही की जा रही है।

- नर्वल पुलिस में दो इनामिया किये गिरफ्तार।

अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी कमिश्रेरट के द्वारा अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान के अनुपालन में सहायक पुलिस आयुक्त चकेरी के निर्देशन में थाना नर्वल पर गठित टीम के द्वारा अभियोग में प्रकाश में आये अभियुक्तगण दिगम्बर वर्मा पुत्र रोहित वर्मा निवासी ग्राम लछनियापुरवा थाना नर्वल, विशाल यादव उर्फ सत्या उर्फ भद्दी पुत्र स्व. मानसिंह निवासी ग्राम लछनियापुरवा थाना नर्वल जिनपर गिरफ्तारी हेतु डीसीपी पूर्वी कमिश्रेरट पुरुस्कार 20000-20000 रुपये घोषित किया गया था को थाना नर्वल पर गठित टीम द्वारा सफलता हासिल करते हुए रविवार को शाम गिरफ्तार किया गया, जिनको आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

श्रद्धासुमन अर्पित कर मनाई गयी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयंती

बीपीएस न्यूज-कानपुर नगर, शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में क्रांति महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयती, मेस्टनरोड स्थित प्रतिमा स्थल पर मनाई गयी, जिसमें बडी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों व कांग्रेसीजनों में भागेदारी की। कार्यक्रम का संयोजन नीरज द्विवेदी ने किया।उपस्थित जनों ने माल्यापर्ण कर तथा अपने श्रद्धासुमन अर्पित कर नेता जी को याद किया। इस दौरान कांग्रेस नगर अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूर ने नेता जी को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का महानायक एवं विलक्षण प्रतिभा का धनी बताते हुए कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जापान जाकर नेताजी ने अंग्रेजों के खिलाफ आजाद हिंद फौज का गठन कर सारी दुनिया को चैंका दिया था तथा नारा दिया कि तम हमें खून दो, हम तुम्हें आजादी देंगे, जिसका असर पूरे देश में खिलाई दिया और उन्होने अंग्रेजी हुकुमत को हिलाकर रख दिया। हम देशवासी कभी भी नेताजी जी के त्याग व बलिदान को कभी नही भुला सकते है। कार्यक्रम में संजीव दरियावादी, शंकरदत्त मिश्र, सिराज कुरैशी, महेन्द्र भदौरिया, संजय त्रिवेदी, हाजी अफजाल, विजय शर्मा, उमाशंकर वितारी, नसरीन अंसारी, रामजी दुबे, शान्तन दीक्षित, रोशन भारती, आशुतोष शुक्ल, अफजाल अहमद चांद, मुकुन्द्र शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

पाँच अप्रैल के सामूहिक विवाह आयोजन पर हुई तैयारी बैठक

कानपुर। घंटाघर स्थित एक होटल के ऊपर मंजिल पर कश्यप निषाद आदिवासी कल्याण समिति की बैठक आयोजित की गई है द्य जिसमें समिति द्वारा होने वाले सामूहिक विवाह समारोह 5 अप्रैल को स्थान पनकी मंदिर में कार्यक्रम को सफल बनाने की बैठक में भाग लेकर सुझाव दिये गये । जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व केन्द्रीय खाद्य सलाहकार समिति व प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव पन्ना लाल कश्यप तथा संचालन राजू कश्यप एडवोकेट ने किया । बैठक को सम्बोधित करते हुए कहाँ गया कि समिति कई वर्षों से समाज के बीच रह कर सामूहिक विवाह समारोह आयोजित करा रही और आगे कराती रहेगी ऐसा बैठक में निर्णय लिया गया । तैयारी बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए क्या क्या किया जाय जिससे कार्यक्रम में चार चांद लगे और भव्यता बढ़े ।होर्डिंग, बैनर, पोस्टर, कहाँ कहाँ लगाये जाय जिससे कार्यक्रम का प्रचार प्रसार अच्छे से हो सके ।इससे पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों जो भी कमियां रह गई हो तो उनको भी इस सामूहिक विवाह समारोह में पूरा किया जाय । समाज की बैठक विधानसभा वार कराने पर भी बल दिया गया जिससे समाज जुट सकें आगे कहाँ गया कि दहेज रहित शादियों से कोर्ट कचेहरी का मुंह झांकने की जरूरत नहीं होती है । समिति पूरा सहयोग देती है । बैठक में यह भी कहाँ गया कि कश्यप निषाद जयंती 5 अप्रैल छुट्टी की जो सरकार ने रोक लगा रखी उसे भी बहाल कराने के लिए समिति उचित कदम उठा सरकार से छुट्टी बहाल कराने की मांग करेगी । बैठक में मुन्नी लाल कश्यप, राजबहादुर धुरिया, पार्षद प्रत्याशी संजय बाथम साठू, दीपक कश्यप, सुजीत कश्यप, एडवोकेट मनीष गौड़, राजेश गौड़ कश्यप, ज्ञानेंद्र कश्यप, रिंकू कश्यप आदि रहे ।

पतारा में डंपर ऑटो में आमने सामने भिड़ंत

घाटमपुर। धरमपुर बंबा के पास तेज रफ्तार अनियंत्रित डंपर ऑटो को टक्कर मारते हुए खाई में जा घुसा। हादसे में ऑटो चालक गंभीर घायल हो गया। रहगीरो की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ऑटो चालक को घायल अवस्था में पतारा सीएचसी पहुंचाया जहां पर डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों को सूचना देने के साथ शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बिधनू थाना क्षेत्र के कठेरुआ गांव निवासी 28 राजेश पुत्र गोविद आटो चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। शनिवार देर रात राजेश ऑटो लेकर कानपुर से घाटमपुर जा रहे थे, तभी पतारा चौकी क्षेत्र के धरमपुर बंबा के पास पहुंचते ही सामने से आ रहा तेज रफ्तार डंपर ऑटो में टक्कर मारते हुए खाई में जा घुसा। हादसे में ऑटो चालक ऑटो में फंसकर घायल हो गया। रहगीरो ने पुलिस को फोनकर घटना की सूचना दी। जानकारी मिलते मौके पर पहुंची पुलिस ने आधा घंटे की मशक्कत से ऑटो चालक को बाहर निकालकर एंबुलेंस की मदद से पतारा सीएचसी पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने चालक राजेश को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों को सूचना देने के साथ शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामले में घाटमपुर थानाध्यक्ष रामबाबू ने बताया कि डंपर को कब्जे में लिया है। परिजनों को सूचना देकर चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।